WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 228 | लखनऊ, गुरुवार, 06 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

राजपूत फैमिली के वकील का रिया को लेकर बड़ा खुलासा, कहा-

प्रधानमंत्री मोदी ने भूमिपूजन कर रखी श्रीराम मन्दिर निर्माण की आधारशिला

राम जन्मभूमि आज मुक्त हुईः मोदी

अयोध्या श्रीराम मन्दिर निर्माण का भूमिपूजन करने पहुंचे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम सम्पन्न कर मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी 5 अगस्त, बुधवार को सुबह दिल्ली से अयोध्या रवाना हुए थे। वे दिल्ली से लखनऊ पहुंचे और लखनऊ से अयोध्या के लिए रवाना हुए। अयोध्या पहुंच कर प्रधानमंत्री ने पहले हनुमानगढ़ी के दर्शन कर भगवान श्रीराम के परमभक्त हनुमानजी का आशीर्वाद और आदेश प्राप्त किया। उसके बाद मोदी अयोध्या नगरी में उस ओर बढ़े जहां रामलला के विराजने के लिए भव्य मंदिर के निर्माण की पहली ईंट रखनी थी। भूमिपूजन प्रांगण में पहुंच कर मोदी ने पूजा सम्पन्न की और मंदिर निर्माण के लिए नींव की पहली ईंट रखी। मौके पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत व अन्य लोग भी मौजूद रहे।

अयोध्या, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां राम मंदिर भूमि पूजन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आज मुक्त हुई है। उन्होंने जय सिया राम का नारा लगाते हुए कहा कि कई पीढ़ियों ने इसके लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया था, और राम मंदिर के लिए कई-कई पीढ़ियों ने अखंड, अविरत एकनिष्ठ प्रयास किए, और आज का यह दिन उसी तप, त्याग और संकल्प का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, राम काज कीन्हे बिनु मोहि कहां विश्राम। राम मंदिर के आंदोलन में अर्पण भी था और तर्पण भी था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट ने मुझे आमंत्रित किया। साक्षी बनने का अवसर दिया। मैं इसके लिए हृदय से ट्रस्ट का आभार व्यक्त करता हूं। मोदी ने कहा, कश्मीर से कन्याकुमारी, जगन्नाथ से केदारनाथ तक, सोमनाथ से काशी विश्वनाथ तक, बोध गया से सारनाथ तक, अंडमान से अजमेर तक, लक्ष्यद्वीप से लेह तक आज पूरा भारत राममय है। पूरा देश रोमांचित है। हर मन दीपमय है। आज पूरा भारत भावुक है। सदियों का इंतजार आज समाप्त हो रहा है।

मोदी की दूरदर्शिता से यह गौरव का क्षण प्राप्त हुआःयोगी

अयोध्या उन्होंने कहा कि कई पीढ़ियों के गुजर जाने के बाद आखिरकार संविधान सम्मत और शांतिपूर्ण तरीके से राम मंदिर के निर्माण की शुभ घड़ी आई है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन के बाद योगी ने कहा, श्रीराम जन्मभूमि में राम मंदिर निर्माण की इस घड़ी की प्रतीक्षा में हम सब की कई पीढ़ियां चली गईं। अनेक लोगों ने अपनी आंखों के सामने ब्रह्मांड नायक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के मंदिर निर्माण को देखने के लिए बलिदान दिया। साधना चलती रही।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता के कारण यह गौरव के क्षण का अवसर प्राप्त हुआ है। उनका हृदय से स्वागत करता हूं। अवधपुरी के बारे में जो सपना हम सबने देखा था, मुझे लगता है कि आज इसका अहसास तीन वर्ष पहले दीपोत्सव के कार्यक्रम के साथ आप सबने महसूस किया था। आज उस कार्यक्रम की सिद्धि के रूप में प्रधानमंत्री के कर कमलों से इस अवसर पर राम जन्मभूमि के दिव्य मंदिर के निर्माण के शुभारंभ को देखने का अवसर प्राप्त हुआ है।

आतंकी मौतों के बावजूद आकर्षण बरकरार रहा बंदूक थामने का

जम्मू, एजेंसी। चाहे कश्मीर को मिली धारा 370 की आजादी को छीन लिया गया पर मौतों का आंकड़ा कम होने को नहीं आ रहा। आप्रेशन आल आउट में आतंकियों की मौतों के बाद भी बंदूक थामने का आकर्षण बरकरार है। यही कारण था कि कश्मीर को आज भी मौत की वादी कहा जा रहा है। इतना जरूर था कि पांच अगस्त के बाद पिछले एक साल में विभिन्न तंजीमों के सरगनाओं समेत 180 से ज्यादा आतंकी ढेर कर दिए गए हैं। इस साल के सात महीनों में ही 145 को ढेर कर दिया गया। पर बंदूक थामने वाले भी बढ़ते चले गए। आंकड़ों के बकौल, इस साल 7 महीनों के भीतर 90 ने आतंकवाद की राह को थामा था। जबकि पिछले साल 12 महीनों में 139 स्थानीय आतंकी तैयार हो गए थे।पांच अगस्त, 2019 के बाद मारे गए आतंकियों में कई बड़े सरगना भी शामिल हैं। पुलवामा जिले में एक मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन के कुख्यात दहशतगर्द रियाज नायकू को ढेर करना सुरक्षा बलों की सबसे बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। इसके बाद नायकू के करीबी और अलगाववादी अशरफसेहरई के बेटे जुनैद सेहरई समेत हिजबुल के अन्य कई बड़े आतंकी उमर फय्याज उर्फहमाद खान, जहांगीर, वसीम अहमद वानी और मसूद भट भी मारे गए। अंसार गजवा तुल हिंद (एजीएच) के बुरहान कोका, लश्कर-ए-ताइबा के बशीर कोका, हैदर, इशफाक रशीद, जैश-ए-मोहम्मद के सज्जाद अहमद डार, सज्जाद नवाबी, कारी यासिर और पाकिस्तानी आईईडी एक्सपर्ट अबू रहमान उर्फफौजी भाई को भी मार गिराया गया। इस बीच 25 आतंकियों और 300 से अधिक मददगारों को गिरफ्तार भी किया गया है। इस मौत के आंकड़ों में सुरक्षाबलों और नागरिकों के मरने का आंकड़ा भी चिंताजनक है।

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम शिवाजीराव पाटील-निलंगेकर का निधन

पुणे, एजेंसी। वयोवृद्ध कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवाजीराव पाटील-निलंगेकर का बुधवार को यहां वृद्धावस्था से संबंधित समस्याओं के कारण निधन हो गया। वह 90 साल के थे। बीते महीने पाटील-निलंगेकर का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया था, हालांकि वह इस संक्रमण से उबर गए थे। उनके परिवार में चार बेटे दिलीप, अशोक, विजय, शरद और एक बेटी चंद्रकला दावले के अलावा दो पोते हैं। पूर्ववर्ती हैदराबाद राज्य के निलंगा गांव में जन्मे पाटील-निलंगेकर ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया था और उसके बाद जून 1985 से मार्च 1986 के बीच महाराष्ट्र के 10वें मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। हालांकि, एमडी की परीक्षाओं में एक घोटाले में उनकी बेटी की संलिप्तता के कारण बम्बई हाई कोर्ट की सख्ती के बाद उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

संघ प्रमुख मोहन भागवत बोले

संकल्प पूरा हुआ, सबके राम, सबमें राम

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या में आज श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का भूमि पूजन हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर का भूमि पूजन किया। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक मोहन भागवत भी भूमि पूजन में शामिल हुए। इस दौरान अपने संबोधन में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि आज पूरा देश आनंद से भर गया है। आज हमारा संकल्प पूरा हुआ है। उन्होंने इस दौरान राम मंदिर के लिए बलिदान देने वाले संघ के लोगों को याद किया और उनके योगदान को सराहा। इस मौके पर मोहन भागवत ने भारत की प्राचीन परंपरा वसुधैव कुटुम्बकम का जिक्र करते हुए कहा कि हमारा देश वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास करता है यानि हमारे लिए विश्व एक परिवार है। हम सभी को साथ लेकर चलने में यकीन करते हैं। भागवत ने कहा कि आज एक नए भारत की नई शुरुआत है। श्रीरान जन्मभूमि मंदिर के भूमि पूजन पर दिए गए अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि यह आनंद का क्षण है। उन्होंने कहा कि बहुत प्रकार से हमें आनंद है एक संकल्प लिया था, लेकिन मुझे याद है तब हमारे संघ के सरसंघचालक बाला साहब देवरस जी ने यह बात हमको कदम आगे बढ़ाने से पहले याद दिलाई थी। उन्होंने कहा था कि 30 साल काम करना होगा तब यह काम पूरा होगा। आज हमने उस संकल्प को पूरा कर दिया। इस संकल्प की पूर्ति का आनंद मिल रहा है। उन्होंने साथ ही कहा कि राम मंदिर के लिए अनेक लोगों ने बलिदान दिए हैं और वह सूक्ष्मरूप में यहां उपस्थित हैं। भागवत ने कहा कि ऐसे बहुत से लोग हैं जो आज यहां आ नहीं सकते। इस मौके पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी के योगदान को भी याद किया। उन्होंने कहा कि आडवाणी जी अपने घर में बैठकर इस कार्यक्रम को देख रहे होंगे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में आनंद की लहर है। लोगों की सदियों की आस पूरे होने की खुशी है। सबसे बड़ा आनंद है भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जिस आत्मविश्वास की आवश्यकता थी, जिस आत्म भान की आवश्यकता थी उसका शुभारंभ आज हो रहा है।

नया कश्मीर की बरसी पर कश्मीर में नेता हुए नजरबंद

जम्मू, एजेंसी। पिछले साल पांच अगस्त को राज्य के दो टुकड़े करने और उसकी पहचान खत्म किए जाने की कवायद की बरसी पर कश्मीर में अधिकतर कश्मीरी राजनीतिक नेताओं को कल रात से ही नजरबंद कर दिया गया है। जबकि जम्मू में पैंथर्स पार्टी ने विरोध रैली निकालने की नाकाम कोशिश के बाद धरना देकर अपना रोष प्रकट किया। हालांकि भारतीय जनता पार्टी की युवा इकाई ने मोटरसाइकिल रैली निकालने का प्रयास किया, जिसे पुलिस ने नाकाम बना दिया। इसी कारण अनुच्छेद 370 की बहाली की युक्ति निकालने के लिए डा फारुक अब्दुल्ला के निवास पर बुधवार को होने वाली सर्वदलीय बैठक नहीं हो पायी। नेकांध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डा अब्दुल्ला के गुप्कार रोड पर स्थित घर की तरफ आने-जाने वाले सभी रास्ते प्रशासन ने बंद कर दिए थे। यही नहीं बैठक में बुलाए गए नेताओं को भी उनके घरों से बाहर नहीं आने दिया गया।

घृणा और क्रूरता से प्रकट नहीं हो सकते रामः राहुल गांधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या में भगवान राम मंदिर का शिलान्यास करने के तत्काल बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि राम मर्यादा पुरुषोत्तम है और वह घृणा तथा क्रूरता से कभी प्रकट नहीं होते। श्री गांधी ने ट्वीट किया, मानवता के मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम सर्वोत्तम मानवीय गुणों का स्वरूप हैं। वे हमारे मन की गहराइयों में बसी मानवता की मूल भावना हैं। उन्होंने कहा कि राम प्रेम हैं, वे कभी घृणा में प्रकट नहीं हो सकते। राम करुणा हैं, वे कभी क्रूरता में प्रकट नहीं हो सकते। राम न्याय हैं, वे कभी अन्याय में प्रकट नहीं हो सकते। इससे पहले कॉंग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, राम मंदिर भूमिपूजन की शुभकामनाएँ। आशा है कि त्याग, कर्तव्य, करुणा, उदारता, एकता, बंधुत्व, सद्भाव, सदाचार के रामबाण मूल्य जीवन पथ का रास्ता बनेंगे। जय सिया राम।

कोरोना वायरस से थोड़ी राहत

देश में पहली बार सक्रिय केसों में आयी गिरावट

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण से निजात पाने वालों की संख्या में दिनोंदिन हो रही बढ़ोतरी से पहली बार सक्रिय मामलों में गिरावट आयी है जिससे इनकी संख्या अब 5,86,244 रह गयी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 51,706 लोग स्वस्थ हुए तथा 857 की मृत्यु हुई। इस दौरान सक्रिय मामलों की संख्या में 54 की कमी आयी। ऐसा पहली बार हुआ है कि सक्रिय मामलों में गिरावट दर्ज की गयी।मंत्रालय के अनुसार स्वस्थ होने वालों की दर 67.19 प्रतिशत और मृत्यु दर 2.09 प्रतिशत है। देश में अब तक 12,82,216 लोग स्वस्थ हो चुके हैं और 39,795 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 52,509 मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की कुल संख्या 19,08,255 पर पहुंच गयी। पिछले 24 घंटे में महाराष्ट्र में सर्वाधिक 4,866, तमिलनाडु में 1546, कर्नाटक में 623 और मध्य प्रदेश में 530 लोगों ने कोरोना को मात दी। वहीं आंध्र प्रदेश में सर्वाधिक 2727, असम में 1887, उत्तर प्रदेश में 1031 और तेलंगाना में 860 सक्रिय मामले बढ़े हैं। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में मरीजों की संख्या 4,866 कम होने से सक्रिय मामले 1,42,458 रह गये तथा 300 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 16,142 हो गया। इस दौरान 12,326 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 2,99,356 हो गयी। देश में अब भी सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में मरीजों की संख्या 2727 बढ़ने से सक्रिय मामले 79,104 हो गये हैं। राज्य में अब तक 1,604 लोगों की मौत हुई है तथा कुल 95,625 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या 623 घटी है और यहां अब 743,854 सक्रिय मामले हैं। मरने वालों का आंकड़ा 110 बढ़कर 2704 पर पहुंच गया है। राज्य में अब तक 69272 लोग स्वस्थ हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामले 1546 घटकर 55,152 रह गये हैं तथा 4349 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 2,08,784 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में मरीजों की संख्या 1031 बढ़ी है जिससे 41,222 सक्रिय मामले हो गये हैं तथा इस महामारी से 1817 लोगों की मौत हुई है जबकि 57,271 मरीज ठीक हुए हैं।

सुशांत मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा सच्चाई जरूर सामने आनी चाहिए

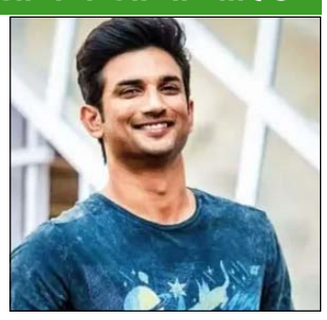

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुशांत सिंह राजपूत जैसे प्रतिभाशाली कलाकार की असामान्य परिस्थितियों में मौत हो गई और मामले में सच्चाई सामने आनी चाहिए। न्यायाधीश ऋषिकेश रॉय ने सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती की मामले को पटना से मुंबई स्थानांतरित करने की मांग वाली याचिका पर बहस को सुनते हुए, बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है। न्यायाधीश रॉय ने कहा, एक प्रतिभाशाली कलाकार की उन परिस्थितियों में मौत हो गई, जो असामान्य हैं। अब, जिन परिस्थितियों में मौत हुई, उनकी जांच-पड़ताल करने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बात की जांच करने की आवश्यकता है कि मामले में कोई अपराध शामिल है या नहीं। न्यायाधीश रॉय ने कहा, मामले में हर किसी की राय है, हमें कानून के मुताबिक आगे बढ़ने की जरूरत है। रिया चक्रवर्ती के वकील ने शीर्ष अदालत को उन्हें अंतरिम सुरक्षा प्रदान करने के लिए कहा। सुशांत के पिता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने याचिका का विरोध किया। सिंह ने तर्क दिया कि सबूतों के साथ छेड़छाड़ की जा रही थी और अब, जब केंद्र ने मामले की सीबीआई जांच के बारे में अदालत को सूचित किया है, तो उनकी याचिका बेमानी हो जाती है। न्यायाधीश रॉय ने कहा, यह हर किसी के हित में है कि सच्चाई को सामने आना चाहिए।

भारतीय संस्कृति, सभ्यता के इतिहास में जुड़ा एक स्वर्णिम अध्यायः शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भूमि पूजन को देश के लिए ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण पल बताया और कहा कि इससे भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा गया है और आज एक नये युग की शुरुआत हुई है। दिल्ली के समीप हरियाणा के गुरुग्राम में एक निजी अस्पताल में कोरोना संक्रमण का उपचार करा रहे श्री शाह ने अपने संदेश में कहा कि आज का दिन भारत के लिए एक ऐतिहासिक व गौरवपूर्ण दिन है। प्रभु श्री राम की जन्मभूमि पर प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा भव्य राम मंदिर का भूमि पूजन व शिलान्यास किया गया, जिसने महान भारतीय संस्कृति व सभ्यता के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है और एक नए युग की शुरुआत की है। गृह मंत्री ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण सदियों से दुनिया भर के हिंदुओं की आस्था का प्रतीक रहा है। आज श्री मोदी और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने राम मंदिर का भूमिपूजन करके करोड़ों लोगों की आस्था को सम्मान देने का काम किया है, इसके लिए मैं उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम जी के आदर्श एवं विचार भारतवर्ष की आत्मा में बसते हैं। उनका चरित्र एवं जीवन दर्शन भारतीय संस्कृति की आधारशिला है। राम मंदिर निर्माण से यह पुण्यभूमि अयोध्या पुनः विश्व में अपने पूर्ण वैभव के साथ जग उठेगी। धर्म और विकास के समन्वय से रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। उन्होंने कहा कि श्री राम मंदिर निर्माण असंख्य नाम-अनाम रामभक्तों के सदियों के निरंतर त्याग, संघर्ष, तपस्या और बलिदान का परिणाम है। आज के दिन मैं उन सभी तपस्वियों को नमन करता हूँ जिन्होंने इतने वर्षों तक सनातन संस्कृति की इस अमूल्य धरोहर के लिए संघर्ष किया।

कड़े कोरोना टेस्ट से गुजरकर ही आईपीएल खेल पाएंगे खिलाड़ी

नयी दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक होने वाले आईपीएल के 13वें संस्करण में खिलाड़ियों और स्टाफ के लिए सख्त टेस्टिंग प्रक्रिया रखी है जिन्हें यूएई में ट्रेनिंग शुरू करने से पहले कम से कम चार टेस्ट पास करने होंगे और एक सप्ताह क्वारंटीन में रहना होगा। आईपीएल ने टेस्टिंग प्रक्रिया का विवरण और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का ड्राफ्ट दस्तावेज फ्रैंचाइज़ी टीमों के साथ साझा किया है। एसओपी में बताया गया है कि 53 दिन के इस टूर्नामेंट के दौरान यात्रा, ठहरने और ट्रेनिंग के के लिए क्या करना होगा और क्या नहीं करना होगा। टूर्नामेंट के मैच तीन स्थलों दुबई, अबू धाबी और शारजाह में खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने अभी टूर्नामेंट कार्यक्रम घोषित नहीं किया है और उसे भारत सरकार से टूर्नामेंट को यूएई में कराने के लिए औपचारिक मंजूरी का इंतजार है। समझा जाता है कि टीमों को न्यूनतम दल के साथ यात्रा करने को कहा गया है और वे 20 अगस्त के बाद से ही यात्रा कर सकते हैं। एसओपी में आईपीएल ने टीम के सदस्यों के परिवारों को यूएई की यात्रा करने की अनुमति दे दी है लेकिन उन्हें जैविक सुरक्षा वातावरण में रहना होगा। हालांकि इस मामले में अंतिम फैसला हर फ्रैंचाइजी का होगा। आईपीएल ने यह अनिवार्य कर दिया है कि हर टीम के साथ एक डॉक्टर होना चाहिए ताकि खतरे को कम रखने में फ्रैंचाइज़ी को मदद मिल सके और वह कोरोना को लेकर टीम को जागरूक रख सके। एसओपी के अनुसार आईपीएल ने सभी फ्रैंचाइजी को कहा है कि यूएई के लिए रवाना होने से पहले सभी सदस्यों के दो टेस्ट होने चाहिए। ये दोनों टेस्ट विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार 24 घंटे के अंतराल में कराने होंगे। ये टेस्ट उस शहर में कराने होंगे जहां खिलाड़ी और स्टाफ यूएई के लिए फ्लाइट पकड़ने से पहले एकत्र होंगे।

भीमा मंडावी हत्याकांड का आरोपी अरेस्ट

स्पेशल कोर्ट ने 3 दिन की एनआईए रिमांड पर भेजा

दंतेवाड़ा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ को नक्सलियों का अड्डा माना जाता है। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में नक्सलियों ने पुलिस प्रशासन और सरकार के नाक में दम करके रखा हुआ है। कई जिलों में लोगों के बीच दहशत फैली हुई है। उन्हीं इलाकों में से एक दंतेवाड़ा है जिसे नक्सल्यिों को गढ़ माना जाता है। इस जिले में नक्सलियों ने बीजेपी विधायक भीमाराम मंडवी समेत 4 जवानों को मौत के घाट उतार दिया था। इसी के चलते एनआईए ने एक नक्सली को गिरफ्तार किया है। एनआईए की जांच एजेंसी के अनुसार 44 साल के हरिपाल सिंह को गिरफ्तार किया है। जिसके बाद उसे एनआइए की स्पेशल कोर्ट (जगदलपुर) के सामने पेश किया गया। जिसके बाद उसे तीन दिन के लिए एनआइए की रिमांड पर भेज दिया गया। इससे पहले एनआईए भीमा मंडावी हत्या को लेकर 6 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इसके बाद 29 जुलाई 2020 को लक्ष्मण जायसवाल, रमेश, हेमला और कुमारी लिंगे को भी गिरफ्तार किया था। तो वहीं हरिपाल सिंह को गिरफ्तार किया है। बता दें कि विधायक भीमा मंडावी 9 अप्रैल 2019 को लोकसभा चुनाव के प्रचार से वापिस आ रहे थे। दंतेवाड़ा जिले श्यामगिरी गांव के पास नक्सलियों ने उनकी गाड़ी को विस्फोट से उड़ा दिया था। इस घटना में भीमा मंडावी के साथ उनकी सुरक्षा में तैनात छत्तीसगढ़ के चार जवानों की मौत हो गई थी। इस मामले में 10 अप्रैल 2019 को कुआकोंडा थाने में नक्सलियों के विरुद्ध आइपीसी की धारा 147, 148, 149, 302, 396, 307 और 120-बी, धारा 25 और 27, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3, 5, 13 (1) (ए), यूए (पी), 38 और 39 के तहत एफआइआर दर्ज की गई थी।

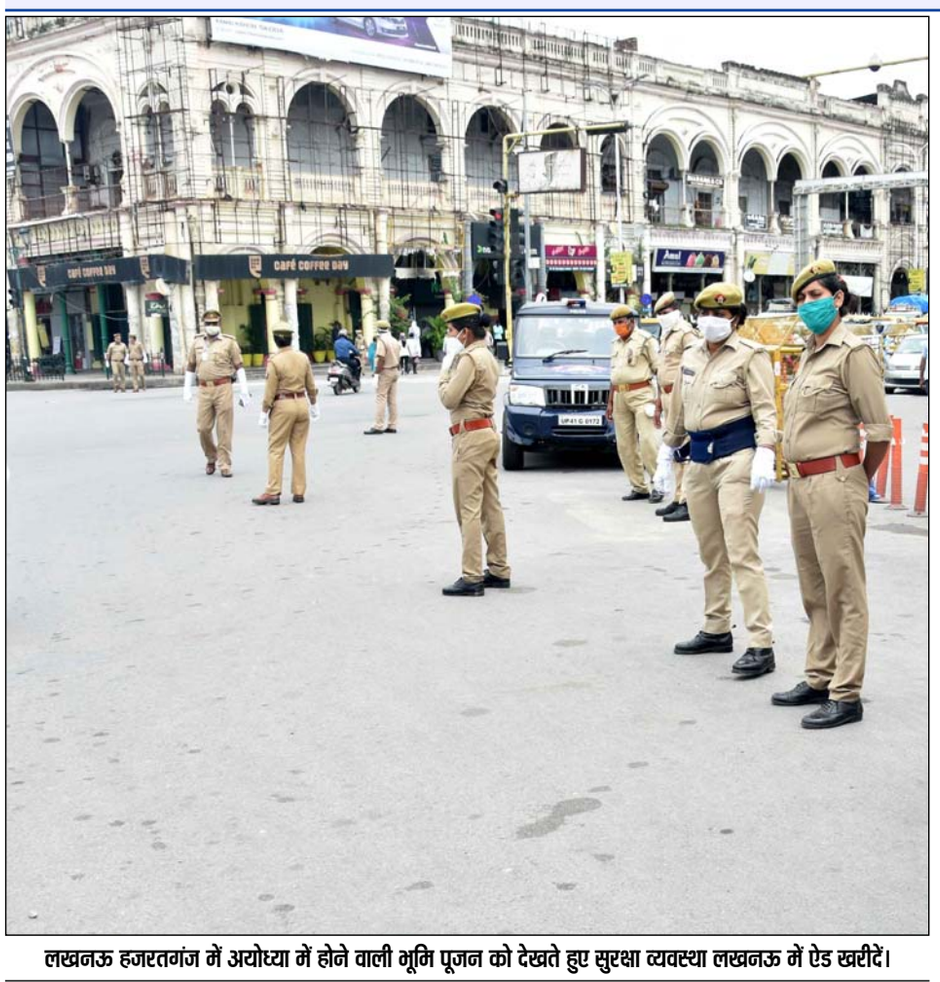

लखनऊ हजरतगंज में अयोध्या में होने वाली भूमि पूजन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था लखनऊ में ऐड खरीदें।

कोरोना के खिलाफ जंग

उत्तर रेलवे केन्द्रिय अस्पताल में पहला प्लाजमा दान

लखनऊ, संवाददाता। आज दुनिया एक वैश्विक संकट और सबसे बडी चुनौती कोरोना महामारी का सामना कर रही है। दुनिया की सबसे परिष्कृत स्वास्थ्य प्रणाली से लेकर दुनिया के सबसे बड़ी खर्च वाली स्वास्थ्य सेवा प्रणाली वाले समस्त देश इस कोरोना महामारी से प्रभावित हैं और अभी भी इस महामारी को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष कर रहे है। दुनिया में अभी तक ऐसा कोई भी कारगार ईलाज नहीं आया है जिससे इस महामारी पर काबू किया जा सके, कोरोना के खिलाफकिसी भी टीके के अभाव में, प्लाजमा थैरेपी को एक संभावित उपचार के रूप में देखा जा रहा है। प्लाजमा थैरेपी की दिशा में बढते हुए उत्तर रेलवे केन्द्रीय अस्पताल, नई दिल्ली में 04 अगस्त, 2020 को पहला प्लाजमा दान किया गया। दानकर्ता एक कोरोना योद्धा और पोस्ट ग्रेजुएट मैडिकल छात्र है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों और प्रोटोकॉल के अनुसार प्लाजमा प्रक्रिया को अपनाकर उत्तर रेलवे केन्द्रीय अस्पताल ने एक और उपलब्धि हासिल की है। उत्तर एवं उत्तर-मध्य रेलवे के महाप्रबंधक राजीव चौधरी ने बताया कि उत्तर रेलवे केन्द्रीय अस्पताल में प्लाजमा की उपलब्धता होने से कोरोना महामारी से पीडित रेलकर्मी एवं उनके परिजनों के उपचार में मदद मिलेगी। उत्तर रेलवे केन्द्रीय अस्पताल के मुख्य चिकित्सा निदेशक डा. एम.बी. शंखवार ने स्वैच्छिक रूप से प्लाजमा दान करने वाले व्यक्ति को धन्यवाद दिया।

योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री बृजेश पाठक कोरोना पॉजिटिव

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण का कहर जारी है। अब कोरोना की चपेट में योगी सरकार के मंत्री भी आने लगे है। जल शक्ति कैबिनेट मंत्री महेंद्र सिंह के बाद अब कानून मंत्री बृजेश पाठक भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए है। योगी सरकार के अबतक 8 मंत्री कोरोना पॉजिटिव आ चुके है। वहीं कुछ दिन पहले ही बृजेश पाठक की पत्नी नम्रता पाठक की कोरोना पॉजिटिव पाई गई थी। मंत्री और उनके बच्चों की रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। इसके बाद पूरा परिवार होम क्वारनटीन हो गया था।

कोरोना के बहाने इंसानो शरीर की हो रही तसकरी

लखनऊ, संवाददाता। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मोहम्मद आफाक ने आज अपने सामाजिक कार्यकर्ता संगठनों के साथ एक वार्ता की। जिसमें वर्तमान परिस्थितियों में भारतीय जनता के साथ हो रही प्रशासनिक स्तर पर हो रही अनहोनियों नाइनसाफी पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि हम सब इस भयानक कोरोना महामारी के संकट से जूझ रहे हैं। लेकिन भारी आपदा को भी कुछ स्वार्थी तत्व अपने हित में अवसर में बदल कर, आमजनता का भारी शोषण कर रहे हैं। जिन डॉक्टर्स को गरीब जनता अपना इश्वर मानती आई हैए उन्हीं में से कुछ डाक्टर इस समय शैतान से भी बढ़कर अमानवीय हरकतें अनजाम दे रहे हैं। अभी पिछले दिनों पकड़े गए एक डॉक्टर ने तो लगभग 200 से अधिक लोगों को मार करए उनके मानव अंगो की तस्करी जैसे घिनौने कार्य में लिप्त पाया गया। अब आम गरीब जनता बेचारीए विश्वास करे भी तो किस पर मोहम्मद आफाक ने प्रशासन से इस बावत सवाल करते हुये, जवाब मांगा कि स्थानीय प्रशासन जवाब दे कि कोरंटाइन के बहाने जिन लगभग 2000 से अधिक लोगों को पुलिस, प्रशासन, डॉक्टर्स गुनडयी के बल पर टीम घरो से ले गई है। वो लोग अभी तक लापता हैं। उनका कोई पता ठिकाना नहीं है। उनके घर वाले परेशान हैं। उन सभी के बारे में सही जानकारी प्रदान की जाय। वो 2000 से अधिक लोग कहां हैं, कैसे हैं, इसकी समस्त जानकारी प्रशासन द्वारा जल्द ही सार्वजनिक की जाय। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मोहम्मद आफाक ने अंत में कोरोना की आड़ में चल रही प्रशासनिक मनमानी पर एगंभीर चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि आम जनता की लाशों पर खड़े सत्ता के महल ज्यादा दिन टिकने वाले नहीं हैं। यदि अगर भगवान राम है ऐसे दुश्टो विनाश जरूर करेंगे और वो विनाश अमित शाह मोदी योगी और उनके योगी पाखंडीयों का बद जरूर होगा और ये भगवान राम के रूप में होगा।

महिला समेत तीन लोगों ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में एक महिला समेत तीन लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गोसाईगंज में घरेलू कलह से परेशान रामकली (45) ने फांसी लगा ली। उसका शव बाग में लटका मिला। ठाकुरगंज के फरीदीपुर में दीपक चौरसिया (32) ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। इसके अलावा नाका में उत्कर्ष (24) ने फांसी लगा ली। पुलिस को तीनों के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, जिससे कारण स्पष्ट हो सके। इंस्पेक्टर गोसाईगंज के मुताबिक मजदूर मंशाराम का पत्नी रामकली से विवाद हो गया। इसके बाद उसने घर से कुछ दूर आम के बाग में धोती से पेड़ में फांसी लगा ली। ठाकुरगंज के फरीदीपुर के होरीलाल मंदिर के पास रहने वाले दीपक चौरसिया ने घर के ऊपरी हिस्से में रस्सी से सरिया में फांसी लगा ली। बड़े भाई विष्णु ने बताया कि रात में दीपक छत पर गया था।

एआईएमपीएलबी ने कहा, बाबरी मस्जिद थी, हमेशा रहेगी

लखनऊ, संवाददाता। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने कहा है कि बाबरी मस्जिद थी और वह हमेशा रहेगी, क्योंकि एक बार जब कोई मस्जिद एक जगह पर स्थापित हो जाती है, तो वह अनंत काल तक रहती है। बोर्ड ने अपने एक बयान में कहा, हम वही कह रहे हैं जो शरीयत कहता है। यह बयान अयोध्या में राम मंदिर के भूमिपूजन से कुछ घंटे पहले आया है। उन्होंने आगे कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की अनुमति देना सुप्रीम कोर्ट का नवंबर 2019 का फैसला अन्यायपूर्ण और अनुचित था। बयान में आगे कहा गया, बाबरी मस्जिद थी और हमेशा मस्जिद रहेगी। हागिया सोफिया हमारे लिए एक महान उदाहरण है। एक अन्यायपूर्ण, दमनकारी, शर्मनाक और बहुसंख्यक तुष्टिकरण फैसले द्वारा भूमि का रद्दीकरण इसकी स्थिति को बदला नहीं जा सकता है। दिल तोड़ने की जरूरत नहीं है। परिस्थिति हमेशा एक सी नहीं रहती है। यह राजनीति है। एआईएमपीएलबी के महासचिव मौलाना मोहम्मद वली रहमानी ने कहा, हम हमेशा से इसी बात पर टिके रहे हैं कि बाबरी मस्जिद को कभी भी किसी मंदिर या किसी हिंदू पूजा स्थल को ध्वस्त करके नहीं बनाया गया था। बयान में आगे कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने भी स्वीकार किया कि 22 दिसंबर, 1949 को मस्जिद में मूर्तियों को रखना एक गैरकानूनी कार्य था। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी स्वीकार किया कि 6 दिसंबर, 1992 को बाबरी मस्जिद का विध्वंस एक गैरकानूनी, असंवैधानिक और आपराधिक कृत्य था।

छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की जयंती मनाई गयी

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय कैसरबाग में जिलाध्यक्ष जयसिंह 'जयन्त' की अध्यक्षता में मासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान ने किया। बैठक में प्रख्यात समाजवादी विचारक एवं गरीबों के मसीहा छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की जयंती पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके द्वारा गरीबों के लिए किए गए कार्यों एवं राजनीति में उनके योगदान को याद किया गया। जिलाध्यक्ष जयसिंह 'जयन्त' ने कहा कि जनेश्वर जी ने कभी भी अपने संघर्षों से मुंह नहीं मोड़ा, राहें कितनी भी कठिन क्यों न हों उन्होंने उसका डटकर सामना किया। समाजवादी विचारधारा के प्रति उनकी दृढ़ निष्ठा के कारण वह 'छोटे लोहिया' के नाम से प्रसिद्ध हुए। जनेश्वर जी का जन्म बलिया के छोटे से गांव में हुआ था। 5 अगस्त 1933 में बलिया में जन्में छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र समाजवादी विचारधारा एवं बड़े आन्दोलनों के बड़े नेता थे। 1965 में मुलायम सिंह यादव उनके सम्पर्क में आये। 1966-67 में जब पहली बार मुलायम सिंह यादव विधानसभा का चुनाव लड़े तब जनेश्वर मिश्र उनके प्रचार में आये और उन्होंने एक रात डॉ0 राममनोहर लोहिया इण्टर कॉलेज में जमीन पर लेट कर बितायी। श्री जयन्त ने कहा कि सेक्टर व बूथ कमेटियों का गठन प्रत्येक विधानसभाओं में बैठकों के माध्यम से चल रहा है, जो सेक्टर व बूथ कमेटियां अभी गठित नहीं हुई हैं उन्हें शीघ्र-अतिशीघ्र जिला कार्यालय में जमा कराने का निर्देश सभी विधानसभा प्रभारियों को दिये। जनेश्वर मिश्र के बताये रास्ते पर चलकर आगामी 2022 के विधानसभा चुनाव में बूथ स्तर तक पहुंचकर पार्टी को भारी बहुमत से विजयी बनाने का भी संकल्प लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष अनिल पासी, मान सिंह वर्मा, महेश सिंह लोधी, विनय दीक्षित, नवनीत सिंह, जिला सचिव राजकुमार यादव, रामकिशोर यादव 'जग्गी', मीडिया प्रभारी रमेश सिंह 'रवि', सरोजनी नगर विधानसभा अध्यक्ष चन्द्रशेखर यादव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शशिलेन्द्र यादव, विजय यादव, मनीष यादव, 'सेठ', शौकत अली, आर0पी0 यादव 'दिलीप', विनय रावत, दिलीप कमलापुरी एवं अशुतोष यादव मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को दिये निर्देश

नदियों के जलस्तर की निगरानी रखनें के साथ, लोगों को सुरक्षित स्थानों, बाढ़ शरणालयों में पहुचाया जाए

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त संजय गोयल ने बाढ़ की स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि प्रदेश में वर्तमान में सभी तटबंध सुरक्षित है। प्रदेश में बाढ़ के संबंध में निरन्तर अनुश्रवण किया जा रहा है। कहीं भी किसी प्रकार की चिंताजनक परिस्थिति नहीं है। प्रदेश के प्रभावित जनपदों में सर्च एवं रेस्क्यू हेतु एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0 तथा पी0ए0सी0 की कुल 16 टीमें तैनाती की गयी है। 2,728 नावें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगायी गयी है। बाढ़,अतिवृष्टि की आपदा से निपटने हेतु बचाव व राहत प्रबन्धन के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये जा चुके है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिये गये है कि नदियों के जलस्तर के सतत् निगरानी रखी जाये तथा आसपास के गांवों में पानी भरने के

पूर्व ही मुनादी कराकर लोगों को सुरक्षित स्थानों तथा बाढ़ शरणालयों में ले जाया जाये। बाढ़ शरणालयों में कोविड-19 के दृष्टिगत समुचित सोशल डिस्टेसिंग का अनुपालन किया जाये तथा भोजन आदि की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये है। प्रदेश के समस्त बांधों पर निगरानी रखी जाये तथा आवश्यक रिपेयर समाग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये ताकि किसी भी प्रकार की क्षति होने से पूर्व ही उसे रोका जा सके। श्री गोयल ने बताया कि बाढ़ पीड़ित परिवारों को खाद्यान्न किट का वितरण कराया जा रहा है। इस किट में 17 प्रकार की सामग्री जिसमें 10 किलो आटा, 10 किलो चावल, 10 किलो आलू, 05 किलो लाई, 02 किलो भूना चना, 02 किलो अरहर की दाल, 500 ग्रा0 नमक, 250 ग्रा0 हल्दी, 250 ग्रा0 मिर्च, 250 ग्रा0 धनिया, 05 ली0 केरोसिन, 01 पैकेट मोमबत्ती, 01 पैकेट माचिस, 10 पैकेट बिस्कुट, 01 ली0 रिफाइन्ड तेल, 100 टेबलेट क्लोरीन एवं 02 नहाने के साबुन वितरित किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि अब तक राहत सामग्री के अन्तर्गत 12,496 खाद्यान्न किट व 86,209 मी0 तिरपाल का वितरण किया जा चुका है, 223 मेडिकल टीम भी लगायी गयी है। श्री गोयल ने बताया कि जनपद बलिया में सरयू (घाघरा) नदी के दायें तट पर स्थित बकुलहा संसार टोला तटबंध के किमी0 4.125 के मध्य निर्मित टी-स्पर के नोज भाग के अपरस्ट्रीम में स्लोप क्षतिग्रस्त होना सूचित हुआ है। कटान को रोकने हेतु तुरंत सीमेंट की खाली बारी में बिक्र रोड़ाभर कर गैबियान रोप में डालकर फ्लट फाईटिंग का कार्य कराया जा रहा है। कटान स्थल पर जी0आई0 वायर क्रेट में बोल्डर डाल कर कटर निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। तटबंध की सतत् निगरानी की जा रही है। वर्तमान में तटबंध सुरक्षित हैं। श्री गोयल ने बताया कि बाढ की आपदा से निपटने के लिए प्रदेश में 160 बाढ़ शरणालय और 03 जनपदों में 36 शरणालयों में 3,984 व्यक्ति रह रहे है तथा 657 बाढ़ चौकी स्थापित की गयी है। वर्तमान में प्रदेश के 16 जनपदों के 536 गांवों बाढ़ से प्रभावित है। शारदा नदी, पलिया कला लखीमपुरखीरी, सरयू नदी, तुर्तीपार बलिया रासी नदी बर्डघाट गोरखपुर, सरयू (घाघरा) नदी-एल्गिनब्रिज बाराबंकी और अयोध्या में अपने खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। प्रदेश में 139 पशु शिविर स्थापित किये गये है तथा 5,12,591 पशुओं का टीकाकरण भी किया गया हैं।

शराब के नशे में धुत दबंगो ने महिला दुकानदार को पीटा

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज के अतरौली गांव में एक दुकान में सिगरेट लेने गये शराब के नशे में धुत तीन दबंगो को सिगरेट ना देना महिला दुकानदार को महंगा पड़ गया। दबंगो ने घर में घुसकर पिटाई कर दुकान में तोडफोड़ की। पीड़ित महिला दुकानदार की तहरीर पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफमारपीट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्जकर तलाश शुरू कर दी है। अतरौली गांव निवासी कैलाशा ने बताया कि उसने घर पर ही परचून की दुकान खोल रखी है। बीती देर शाम शराब के नशे में धुत होकर सगे भाई आनंद, अतीष अपने साथी सुभाष के साथ आये और जबरन दुकान खोलकर सिगरेट देने की बात कहते हुये गाली-गलौज करने लगे। दुकान खोलकर सिगरेट देने से मना किया तो तीनों ने घर में घुसकर महिला दुकानदार कैलाशा व सीमा की बुरी तरह पिटाई शुरू कर दी। दुकान में तोडफोड़ कर मौके से भाग निकले। इस्पेक्टंर जीडी शुक्ला ने बताया पीड़ित महिका दुकानदार की तहरीर पर मारपीट के तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी है।

पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अगले तीन दिन भारी बरसात की चेतावनी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी इलाके में अगले तीन दिन के लिये भारी बरसात की चेतावनी जारी की गई है । मौसम विभाग के अनुसार राज्य के पूर्वी इलाके में कई जगहों पर चमक के साथ तेज बरसात होगी तथा ओले गिरने की भी आशंका व्यक्त की गई है। इसी तरह पश्चिमी इलाके में भी कुछ स्थानों पर तेज बरसात हो सकती है। विभाग के अनुसार इटावा का तापमान सबसे अधिक 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अन्य इलाकों में मौसम शुष्क रहेगा।

उम्मीद है कि भावी पीढ़ियां भगवान राम के दिखाए रास्ते का पालन करेंगीः अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। अयोध्या में राम मंदिर भूमि पूजन से पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को आशा जताई कि मौजूदा और भावी पीढ़ियां भी मर्यादा पुरुषोत्तम के दिखाए मार्ग के अनुरूप सच्चे मन से सबकी भलाई और शांति के लिए मर्यादा का पालन करेंगी। अखिलेश ने एक ट्वीट में कहा, आशा है वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियां भी मर्यादा पुरुषोत्तम के दिखाए मार्ग के अनुरूप सच्चे मन से सबकी भलाई व शांति के लिए मर्यादा का पालन करेंगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने जय महादेव जय सिया-राम जय राधे-कृष्ण जय हनुमान से अपने ट्वीट की शुरुआत करते हुए कहा, भगवान शिव के कल्याण, श्रीराम के अभयत्व एवं श्रीकृष्ण के उन्मुक्त भाव से सब परिपूर्ण रहें।

उच्चतम न्यायालय का फैसला सभी को स्वीकार कर लेना चाहियेः मायावती

लखनऊ, संवाददाता। बसपा अध्यक्ष मायावती ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का श्रेय उच्चतम न्यायालय को देते हुए बुधवार को कहा कि अयोध्या विवाद में अदालत के फैसले को अब सभी लोगों को स्वीकार कर लेना चाहिये। मायावती ने ट्वीट कर कहा श्श्जैसा कि सर्वविदित है कि अयोध्या विभिन्न धर्मों की पवित्र नगरी व स्थली है, लेकिन दुःख की बात यह है कि यह स्थल राम मंदिर व बाबरी-मस्जिद जमीन विवाद को लेकर काफी वर्षों तक विवादों में भी रहा है। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा लेकिन उच्चतम न्यायालय ने इसका अन्त किया। साथ ही, इसकी आड़ में राजनीति कर रही पार्टियों पर भी काफी कुछ विराम लगाया। अदालत के फैसले के तहत ही आज यहां राम-मंदिर निर्माण की नींव रखी जा रही है, जिसका काफी कुछ श्रेय सुप्रीम कोर्ट को ही जाता है।श्श् बसपा अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी का शुरू से ही कहना रहा है कि इस प्रकरण को लेकर उच्चतम न्यायालय जो भी फैसला देगा, उसे पार्टी स्वीकार करेगी। जिसे अब सभी को स्वीकार कर लेना चाहिये।

दुष्कर्म एवं धोखाधड़ी का फरार आरोपी गिरफ्तार, लंबे समय से थी तलाश

लखनऊ, संवाददाता। पुलिस ने हुसैनगंज की सफेद मस्जिद इलाके से चार महीने से फरार चल रहे दुष्कर्म एवं धोखाधड़ी के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आशियाना पुलिस ने लिखा पढ़ी करने के बाद उसे जेल भेज दिया है। इंस्पेक्टर संजय राय ने बताया, कि आरोपी राहुल कश्यप हुसैनगंज की सफेद मस्जिद इलाके का रहने वाला है। उसके खिलाफएक युवती ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने और धोखाधड़ी करके लाखों रुपये हड़पने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करवाया था। मामले में एससीएसटी एक्ट की भी धाराएं लगाई गई थी, जिसकी विवेचना एसीपी कैंट बीनू सिंह द्वारा की जा रही थी।

ऑपरेशन मिडनाइट में सात बदमाश गिरफ्तार लूटे गये गहने एवं टीवी भी बरामद

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ पुलिस ने ऑपरेशन मिडनाइट चलाकर सात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चुराया गया टीवी एवं तमंचे बरामद किए हैं। इंस्पेक्टर विकासनगर ऋषिदेव के मुताबिक सचिवालय कॉलोनी चौराहे के पास से शाहजहांपुर निवासी विशाल सिंह और सिधौली निवासी सर्वेश कश्यप को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की निशानदेही पर लूटे गये गहने एवं टीवी बरामद हुआ है। आशियाना पुलिस ने देवीखेड़ा मोड़ के पास से हुसैनगंज निवासी राहुल कश्यप का धोखाधड़ी के आरोपी में गिरफ्तार किया।

भूमि पूजन के बाद राममय हुआ राजाजीपुरम-मनाई दीवाली

लखनऊ, संवाददाता। अविजित मूहूर्त में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा भव्य राम मंदिर के भूमि पूजन के पश्चात पूरे राजाजीपुरम क्षेत्र में खुषी की लहर दौड़ गयी। लोग एक दूसरे को बधाइयां देने लगे। शाम होते होते पूरे क्षेत्र में दीवाली जैसा माहौल दिखायी देने लगा। इस अवसर पर स्थानीय सभासद शिवपाल सांवरियां के सहयोग से स्थानीय निवासियों ने सर्वप्रथम क्षेत्र के प्रसिद्ध टडियन हनुमान मंदिर में दीपक जलाये और प्रसाद बांटा। इसके पश्चात राजाजीपुरम के पोस्ट आफिस मैदान में एक हजार एक सौ एक दीपों के साथ दीपोत्सव मनाया और जमकर पटाखे छुड़ाकर दीवाली मनाई। इसी समय एफ-ब्लाक वैरायटी चौराहे पर भगवान श्री राम की पूजा अर्चना कर दीपोत्सव मनाया और मंदिर निर्माण की खुशियां मनायी। ई-ब्लाक में भजन संध्या और दीपोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया तो वही प्रसिद्ध ऐतिहासिक बुद्धेश्वर मंदिर में प्रसिद्ध भजन गायक अनूप शुक्ला के द्वारा भजन संध्या और स्थानीय निवासियों द्वारा दीपोत्सव मनाया गया। मंदिर निर्माण शुभारम्भ की खुशी में पूरा राजाजीपुरम और आस-पास का इलाका राममय नजर आया। लोगों ने अपने-अपने घरों मे घी के दीपक जलाकर और पटाखे छुडाकर दीवाली मनाई। इसी प्रकार नाका थाना अर्न्तगत रानीगंज में रानीगंज रामलीला कमेटी के द्वारा राम मंदिर भूमि पूजन की खुशियां मनाई गयी। इस अवसर पर दुगांवा पुलिस चौकी स्थित हनुमान मंदिर से पास ही स्थित शिव मंदिर तक एक सौ मीटर से अधिक की दूरी तक दीपमालिका सजाई गयी। आस-पास के सभी मंदिरों में दीपक जलाये गये और पूजा अर्चना की गयी। स्थानीय निवासियों ने अपने घरों में दीपक जलायें और जमकर आतिषबाजी की। इसी प्रकार पूरी लक्ष्मण नगरी राम के और दीवाली के रंग में रंगी नजर आयी।

अपोलोमेडिक्स में निःशुल्क कैंसर ओपीडी आयोजित किया

लखनऊ, संवाददाता। जागरूकता पैदा करने के लिए और फेफड़ों के कैंसर से संबंधित मिथकों को खतम करने की आकांक्षा के साथ, आज 5 अगस्त 2020 को अपोलोमेडिक्स, लखनऊ में एक निरू शुल्क कैंसर ओपीडी आयोजित किया गया। ओपीडी का समय सुबह 10 से शाम 4 बजे के बीच था जिसके अंतर्गत फेफड़ों के कैंसर के सामान्य लक्षणों को जांच की गयीं एवं उसके बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्रदान कराई गयी। ओपीडी अपोलोमेडिक्स अस्पताल के मेडिकल और हेमाटो ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ हर्षवर्धन आत्रेय के निरक्षण के अंतर्गत संभव हुई। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के मेडिकल और हेमटो ऑन्कोलॉजिस्ट, डॉ हर्षवर्धन आत्रेय, ने कहा, ÷कैंसर का इलाज आमतौर पर संभव है यदि प्रारंभिक अवस्था में इसका पता चल जाये तो । करीब 100 से 150 लोगों ने इस निशुल्क ओपीडी का लाभ उठाया और कैंसर के सम्बंधित जांचों पर 10: तक की छूट पायी।

अयोध्या में भूमि पूजन के अवसर पर लखनऊ की अमीनाबाद मंदिर में किया गया संघनाथ।

संयम बरतकर मनायें खुशीः एसडीएम

खागा, फ्तेहपुर। अयोध्या में आज होने वाले श्रीराम मंदिर भूमि पूजन को लेकर खागा उपजिलाधिकारी प्रहलाद सिंह व कोतवाल आरके सिंह और क्षेत्राधिकारी अंशुमान मिश्रा ने भ्रमण किया। मिठाई वितरण, घरों के बाहर आतिशबाजी और दीये जलाने पर कोई प्रतिबंध नहीं है लेकिन जश्न के बीच कोई भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाता है तो पुलिस उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी। एसडीएम व सीओ व अंशुमान मिश्रा अपराध एवं कानून व्यवस्था को लेकर श्रीराम मंदिर भूमि पूजन के समय क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रमों को लेकर अधीनस्थों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। पूरे तहसील क्षेत्र में अलर्ट जारी किया गया है और आमजन से एसडीएम ने अपील की है कि वह खुशी मनाएं, मगर संयम भी बरतें। शहर में जहां भी कार्यक्रम होंगे, वहां पर पुलिस फोर्स तैनात की जाएगी।

भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ ने दीप प्रज्जवलित कर की प्रार्थना

फ्तेहपुर। प्रभात नगर में दिव्यांग प्रकोष्ठ भाजपा के जिलाध्यक्ष राहुल सिंह के नेतृत्व में श्रीराम जन्मभूमि पूजन के ऐतिहासिक अवसर पर शिव मंदिर में 51 दिए प्रज्वलित करके भगवान श्रीराम से विश्व के कल्याण के लिए प्रार्थना की गई। इस मौके पर सुनिधि तिवारी, जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा भाजपा, भाजपा नेत्री शिवकांती सिंह, डॉ0 कमलेंद्र भदौरिया, सरिता सिंह, महेश चंद्र सिंह, रमेश चंद्र सिंह, सुरेश चंद्र सिंह, राकेश चंद्र सिंह, रोहित, भारत, सोम, आदि उपस्थित रहे।

छोटे शिवाला मन्दिर में भक्तों ने जलाये 121 दिये

मलवां, फ्तेहपुर। राम नगरी अयोध्या श्री राम जन्म स्थली में प्रभु राम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखे जाने की खुशी से माहौल राम मय है। मंदिर की आधारशिला भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा रखी गई है। ग्राम रेवाड़ी बुजुर्ग में स्थित छोटे शिवाला शंकर जी के मंदिर में भाजपा युवा नेता अजीत सैनी के नेतृत्व में तमाम युवा साथियों ने मंदिर प्रांगण में 121 दीपक जलाकर के उत्सव मनाया तत्पश्चात सभी युवा साथियों ने मिलकर के हवन पूजन किया बाद में वहां पर सभी लोगों को प्रसाद वितरित किया पूरा मंदिर प्रांगण में जय जय श्री राम के नारे के साथ गूंज उठा। इस मौके पर भाजपा युवा नेता अजीत सैनी राजेश अग्निहोत्री लल्लू रितेश प्रशांत हर्षित अभिषेक छोटू दिव्यांश सहित तमाम युवा साथी मौजूद रहे।

राम जन्मभूमि में आधारशिला रखे जाने की खुशी पर भाजपाइयों ने उत्साहित होकर बांटी मिठाई

जहानाबाद, फ्तेहपुर। जनपद के अंतर्गत जहानाबाद कस्बा में आज श्री राम भक्तों ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उत्तर प्रदेश के मुखिया आदित्यनाथ योगी के नेतृत्व में 05 अगस्त दिन बुधवार को अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के अनुमोदन पर आधारशिला रखे जाने की खुशी पर भाजपाइयों सहित श्री राम भक्तों ने जयकारा लगाते हुए एक दूसरे का मुंह मीठा कराने के साथ-साथ चौक चौराहों में राहगीरों को मिष्ठान वितरण किया। श्री राम मंदिर की आधारशिला रखते ही संपूर्ण भारत के साथ-साथ विदेशों में भी श्री राम भक्तों ने खुशी का इजहार किया।

आधारशिला रखने पर भाजपा से मंडल उपाध्यक्ष जहानाबाद दीपू ओमर, कारागार राज मंत्री कार्यालय प्रभारी महेंद्र वर्मा के साथ पवन उत्तम, लालू ओमर, शिव गोपाल शुक्ला, लल्लू बाजपेई, ज्ञानी उत्तम (पटेल ढाबा), राजा अग्निहोत्री, विपिन ओमर, सत्यम शुक्ला आदि के साथ लगभग दो दर्जन से अधिक श्री राम भक्त एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बस स्टॉप चौराहा और राजकीय बस स्टेशन जहानाबाद पर उत्साहित होकर राहगीरों को मिठाई बांटकर मुंह मीठा कराया।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में हुआ वृहद वृक्षारोपण

फ्तेहपुर। बजाज इलेक्ट्रिक लिमिटिड नई दिल्ली के सामुदायिक सामाजिक उत्तरदायित्व अंतर्गत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में फ्तेहपुर फेरम व नेहरू युवा संगठन टीसी के द्वारा जनपद में स्थित दस कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ आज बहुआ व भिटौरा ब्लाक के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बजाज इलेक्ट्रिक लिमिटेड के अधिकारी मनीष श्रीवास्तव व पुनीत गुप्ता ने किया। इस अवसर पर उक्त दोनों अधिकारियों ने कहा कि जनपद पिछड़े जनपद की श्रेणी में इसलिए कंपनी यहां शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना चाहती है। वृक्षारोपण के बाद छात्रों के बीच कैरियर काउंसलिंग का कार्य किया जाएगा। इस कार्य में जिला समन्वयक बालिका सर्व शिक्षा अभियान डॉ0 विवेक शुक्ल ने पूरा सहयोग देने की बात कही। साथ ही कहा कि कस्तूरबा विद्यालय में ग्रामीण क्षेत्र ग्रामीण की बालिकाएं पढ़ती है जिनको अपने भविष्य में संवारने की जानकारी बिल्कुल ही नहीं होती कम्पनी के सहयोग से यह कार्य सरल किया जाएगा। नेहरू युवा संगठन टीसी के अध्यक्ष राजेंद्र साहू ने बताया कि दस विद्यालयों में दीर्घायु जैसे कि पीपल, पखार, नीम, सहिजन, जामुन व कैथा के प्रति विद्यालय 100 पौध लगाए जा रहे है। वृहद वृक्षारोपण के अवसर पर वार्डेन भावना गुप्ता, विद्यालय के समस्त स्टाफ, संस्था के रमेशचंद, कामता सिंह आदि उपस्थित रहे।

ब्राम्हण महासंघ ने जलाये 101 दिये

खागा, फ्तेहपुर। ग्राम सभा शाह में राम मंदिर निमार्ण के शुभ अवसर पर 101 दीप प्रज्ज्वलन का कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय ब्राम्हण महासंघ के जिला महामंत्री अंकित दीक्षित ने की। उनके साथ मे जिलाध्यक्ष अनिल त्रिपाठी, नगर अध्यक्ष अंकित तिवारी व बहुआ ब्लॉक महामंत्री हिमांशु दीक्षित व शाह ग्राम सभा के साथी विनीत दीक्षित व नीशू द्विवेदी व धीरज तिवारी व गोलू दीक्षित व नितिन शुक्ला व छोटू शुक्ला व राजन दीक्षित व शनि व राहुल अन्य साथी मौजूद रहे।

महिलाओं के स्वरोजगार हेतु आरपीएल ब्रिज कोर्स का शुभारंभ

फ्तेहपुर। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा सहायतित मोनास इण्टरनेशनल एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वाधान में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं हेतु सेल्फ एम्प्लॉयड टेलर प्रशिक्षण कार्यक्रम आरपीएल ब्रिज कोर्स का शुभारंभ बहुआ ब्लॉक परिसर में जिला प्रबन्धक कौशल विकास मिशन अभिषेक सिंह और एडीओ सुरेश तिवारी ने दीप प्रज्जवलित करके किया। इस अवसर पर जिला प्रबन्धक ने आरपीएल कोर्स की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि ग्रामीण महिलाओं को कौशल विकास मिशन के द्वारा जनपद के विकास खण्डों में स्वतः रोजगार सिलाई प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण उपरांत इन्ही महिला समूहों को बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़ाव कराने का प्रयास आजीविका मिशन द्वारा किया जायेगा। जिससे ड्रेस सिलकर महिलाये आय अर्जित कर सके। एडीओ ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि समूह की महिलाएं प्रशिक्षण लेकर आय अर्जित करते हुए समूहों को और सशक्त बनाये जिससे जिले के समूह मॉडल समूह के रूप में देखे जा सके। मोनास इन्टरनेशनल के क्षेत्रीय समन्वयक कृष्ण कुमार ने बताया कि संस्था को जिले के 05 विकास खण्ड़ में महिलाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है तथा आरपीएल कोर्स में प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षुओं को और ज्यादा जानकारी देकर क्षमतावान बनाया जाना है। जिससे इनके कार्यो में गुणवत्ता आ सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीएमएम आलोक सिंह ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक ग्रामीण महिला को स्वयं सहायता समूह से जुड़ना चाहिए। जिससे वह अपने परिवार समृद्धि बना सके। प्रशिक्षण में सभी प्रशिक्षुओं को आरपीएल किट वितरित किया गया। प्रशिक्षण में कोरोना के संक्रमण के देखते हुए प्रशिक्षण हॉल को सेनेटाइज कर, सभी को फेस मास्क दिया गया तथा उचित दूरी पर बैठाकर प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर मोनास इंटरनेशनल लि0 से मो0 इरफान, दुर्गावती और शुभम साहू तथा आजीविका मिशन से बीएमएम लाल बहादुर, नीलम एवं सोमनाथ आदि उपस्थित रहे।

भाजपा पिछड़ा मोर्चा के बाँटे लड्डू

फ्तेहपुर। वर्मा चौराहे में भाजपा नगर अध्यक्ष पिछडा मोर्चा अमित शिवहरे के नेतृत्व में लड्डू वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान भगवान श्रीराम के जयकारे लगाए गए और तमाम राम भक्तों को मिष्ठान वितरित कर एक दूसरे को बधाई दी गई। इस दौरान अमित शिवहरे ने कहा कि आज मिष्ठान वितरण के साथ-साथ दीपोत्सव कार्यक्रम भी किया गया। जिसमें घर-घर में दीप जलेंगे, भगवान राम की आरती होगी और पूरे उत्साह के साथ सभी रामभक्त भगवान राम की आरती करेंगे। इस दौरान भाजपा नेता राम प्रकाश गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी व राम भक्त मौजूद रहें।

कोरोना से बचाव की दी जानकारी

खागा, फ्तेहपुर। धाता कस्बे के दीपनारायण तिराहे के पास बुधवार को व्यापार मंडल ने व्यापारियों व बाजार में आने वाले लोगों को करीब पाँचा सौ मास्क बांटे। कोरोना जैसी बीमारी से निपटने के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष भानुप्रताप केशरवानी की अध्यक्षता मे व्यापारियो ने लोग से कोरोना से बचाव के लिए घरों में ही रहने का आह्वान किया है। इस मौके पर राजकुमार सिंह, बीरेन्द्र केशरवानी, धीरेन्द केशरवानी, शिवम केशरवानी, कल्लू केशरवानी, अनुपंम सिंह, अनंत सिंह आदि लोग मौजूद थे।

पुलिस व्यस्त कोरोना कन्ट्रोल में जुआड़ी मस्त अपने खेल में

खागा, फ्तेहपुर। कोरोना महामारी के बीच जुआड़ियों की चांदी है, जिधर देखो उधर ही इनकी फड़े सजी है। सूत्र के मुताबिक किशनपुर थाना के ग्राम इटोलीपुर व खागा किशनपुर बॉर्डर के ग्राम टेसाही सिलमी के बीच स्थित एक स्थान पर हर रोज जुआड़ियों का जमावड़ा लगता है। जहाँ पर स्थानीय समेत गैर जनपद के जुआड़ी आकर अपनी अपनी किस्मत आजमाते है।

राम मंदिर की आधारशिला रखे जाने की खुशी में बांटी मिठाई

चौडगरा, फ्तेहपुर। अयोध्या में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राम मंदिर की आधारशिला रखे जाने की खुशी में कस्बे में लोगों को मिठाई बांटी गई। जय-जय श्रीराम के नारो से गुंजायमान नारो के बीच कस्बे के ओवरब्रिज के नीचे समाजसेवी शिवशंकर सिंह परिहार, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष रुद्रपाल सिंह गौतम, युवा विकास समिति के जिला प्रवक्ता आलोक गौड़, डॉ0 दीपक सिंह चौहान, रामप्रकाश सविता, जबरील खान, बिनोद आदि तमाम लोगो ने मिलकर कस्बे मे यात्रियो, दुकानदारो, व्यापारियो, वाहन चालको को राम मंदिर की आधारशिला रखे जाने की खुशी मे लड्डु वितरित किये।

अयोध्या मन्दिर में सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन

बिन्दकी, फ्तेहपुर। राम भक्त सेवा समिति द्वारा बिन्दकी के रामलीला मैदान स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में 04 बजे से सुंदरकांड का पाठ आयोजित किया गया। जिसमें राम भक्त सेवा समिति के पदाधिकारियों सहित तमाम युवाओं ने क्रमशः सुंदरकांड का पाठ किया। यह आयोजन अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखे जाने की खुशी में किया गया।आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया।

कोटा चयन प्रक्रिया को अग्रिम आदेशों तक रोका गया

जाफरगंज, फ्तेहपुर। मौहारी ग्राम पंचायत में आज राशन की दुकान का चयन होना था जिसमे ब्लॉक खजुहा से पर्यवेक्षक एडियो पँचायत अवध बिहारी पंचायत सचिव सुमित सिंह और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि लक्ष्मी सिंह की उपस्थित में कार्यवाही की शुरू की गयी जिसमे ग्रामीणों ने पँचायत सचिव के स्वयं सहायता समूह के लोगो को राशन चयन में वरीयता की बात सुनकर शुरू की गयी। प्रक्रिया पर ग्रामीणों और राशन की दुकान के उम्मीदवार नाराजगी जाहिर की और राशन की चयन प्रक्रिया को रद्द करने की मांग की। काफी संख्या महिला और पुरुषों की भीड़ इकट्टा होने और हंगामा होते की स्थित देखकर पर्यवेक्षक ने थाना जाफरगंज को सूचना दी जिससे स्थिति को संभाला जा सके पर थाना प्रभारी द्वारा मौके पर पहुंच कर पर्याप्त पुलिस बल न होने के कारण बताते हुए आज की चुनाव की प्रक्रिया को रोकने की बात की। इस पर एडीओ पँचायत अवध बिहारी ने राशन चयन की प्रक्रिया को निरस्त करते हुए अग्रिम आदेशो तक रोक दिया।

आतिशबाजी व जय श्रीराम के उद्घोष के साथ विहिप ने जतायी खुशी

फ्तेहपुर। चौक चौराहा में विश्व हिंदू परिषद के जीतू हयारण के नेतृत्व में राम भक्तों ने आतिशबाजी की और जय श्रीराम के नारे लगाए। इस दौरान इन लोगों का जोश देखते बन रहा था। इस अवसर पर जीतू हयारण ने कहा जिस तरीके से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्या में राम जन्मभूमि निर्माण की प्रथम ईट रखकर पूरे भारत में उत्साह का संचार किया गया है। वर्षों पुराना सबका सपना आज साकार हो रहा है। इस दौरान सर्राफा व्यवसाई राम भक्त पप्पन रस्तोगी के नेतृत्व में चौक में देशी घी के लड्डू वितरित किया गया और लोगों को बधाई दी गई। तो वहीं हनुमान मंदिर के सामने राजीव पुरवार के नेतृत्व में देसी घी के लड्डू वितरित किए गए। इस अवसर पर हर तरफ राम धुन ही बज रही थी। चौक में विहिप के शानू सिंह, सत्य भगवान, आनंद तिवारी, विजय मिश्रा सहित तमाम राम भक्तों ने श्रीराम का जयकारा लगा कर खुशी का इजहार किया।

व्यापार मंडल ने चेयरमैन को सौपे थर्मल स्कैनर, पल्स ऑक्सीमीटर व सैनेटाइजर

बिन्दकी, फ्तेहपुर। कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए व्यापार मंडल कंछल गुट लगातार प्रयास कर रहा है। इसी के चलते नगर अध्यक्ष के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद के चेयरमैन को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए थर्मल स्केनर, पल्स ऑक्सीमीटर, सैनिटाइजर तथा बड़ी मात्रा में मास्क दिए गए ताकि जरूरतमंद लोगों को दिए जा सके। इसी क्रम में बुधवार को व्यापार मंडल कंछल गुट के नगर अध्यक्ष मोना ओमर के नेतृत्व में संगठन के लोग नगर पालिका परिषद भवन पहुंचे। जहां पर नगर पालिका परिषद के चेयरमैन मुन्ना लाल सोनकर को व्यापार मंडल की ओर से चार थर्मल स्कैनर मशीन, एक पल्स ऑक्सीमीटर, सैनिटाइजर की 25 सीसी तथा सैनिटाइजर के तीन सौ पाउच एवं तीन सौ मास्क दिए गए ताकि थर्मल स्कैनर मशीन से लोगों का तापमान नापा जा सके। वही पल्स ऑक्सीमीटर से ऑक्सीजन की मात्रा व नब्ज़ देखी जा सके तथा सैनिटाइजर से हाथ साफ किया जा सके और मॉस्क को मुंह में लगाया जा सके ताकि कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव हो सके। इस मौके पर नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी निरुपमा प्रताप, सफाई इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह, प्रधान लिपिक मनोज कुमार शुक्ला के अलावा व्यापार मंडल कंछल गुट के महामंत्री मो0 ताज, संरक्षक रमेश गुप्ता, अनूप गुप्ता उर्फ अन्नू, एजाज अहमद, सौरभ तिवारी, मो0 इम्तियाज, वसीम अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

भारतीय इतिहास का स्वर्णिम दिनः स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि आज का दिन भारतीय इतिहास का वह स्वर्णिम दिन रहा जब विश्व के सबसे प्राचीन और ज्ञानमयी, गर्वित व अलौकिक सनातन धर्म के आधार 'भगवान श्रीराम' के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए अयोध्या में भूमि पूजन माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा सम्पन्न हुआ। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने एक बयान जारी कर अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए आज भूमि पूजन होने पर समस्त राम भक्तों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस महान अवसर के लिए आभार जताया। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि वह भावुक व नतमस्तक हैं, जिस हृदयस्पर्शी व अभूतपूर्व दृश्य की वर्षो से प्रतीक्षा थी, आज उसे साकार होते देख रहा हूँ। उन्होंने कहा कि राममंदिर के साथ ही अयोध्या के नवनिर्माण, विकास व सास्कृतिक छटा की पुर्नस्थापना का भी शिलान्यास हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां-जहां भी भगवान राम के चरण पड़े हैं, उसे रामसर्किट के रूप में विकसित करने का संकल्प व्यक्त किया है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी भी अयोध्या के चतुर्दिक विकास के लिए संकल्पबद्ध है। पूरे विश्व के रामभक्त अब गौरव व आभा के साथ भगवान राम का दर्शन करेंगे व अपने आराध्य की पूजा अर्चना करेंगे। यह क्षण उन असंख्य रामभक्तों को भी स्मरण करने का है जिन्होंने इस महान यज्ञ में अपना बलिदान दिया, योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने मऊ में नाव दुर्घटना में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद मऊ में नाव पलटने की दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव एवं राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने इस दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिवार को 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि पीड़ित परिवारों को हर सम्भव मदद उपलब्ध कराई जाए।

डा0 उदयभान ने तमाम साथियों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस पार्टी की नीतियों में आस्था एवं कांग्रेस नेतृत्व के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए आज यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रीय विद्यार्थी चेतना परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 उदयभान ने अपने तमाम साथियों के साथ प्रदेश कांग्रेस के महासचिव मनोज यादव के समक्ष कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आज सदस्यता ग्रहण करने वालों में प्रमुख रूप से डा0 उदयभान सिंह के नेतृत्व में डा0 वीरभान सिंह, कृष्ण बाजपेयी, महीप शुक्ला, डा0 प्रभाकर सिंह आदि तमाम लोग शामिल रहे।

पीएम द्वारा राम मंदिर निर्माण के लिए आधारशिला रखने पर बीजेपी के लोगों ने जलाए घी के दीपक

बिन्दकी, फ्तेहपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए आधारशिला रखने की खुशी पर नगर और क्षेत्र में खुशी का माहौल छा गया। भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने मंदिर में जाकर घी के दीपक जलाए और खुशी का इजहार करते हुए कहा कि करोड़ों देशवासियों को 500 वर्षो का सपना पूरा हुआ है। निश्चित रूप से इसके लिए प्रधानमंत्री धन्यवाद के पात्र हैं। बुधवार को अयोध्या में जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर निर्माण के लिए आधारशिला रखी तो देश के अन्य तमाम स्थानों की तरह नगर और क्षेत्र में भी खुशी का माहौल छा गया।

इसी के चलते नगर के गांधी चौराहे के समीप बाबा कुटी मंदिर परिसर में स्थित राम मंदिर में पहुंचकर भाजपा के लोगों ने घी के दीपक जलाए, आरती उतारी और भजन भी गाए। इस मौके पर भाजयुमो के जिलाध्यक्ष मधुराज विश्वकर्मा ने कहा कि करोड़ों भारतीयों का 500 वर्ष का सपना पूरा हुआ है। निश्चित रूप यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक बड़ी देन है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अतुल द्विवेदी ने कहा कि आज खुशी का माहौल है, दीपावली की तरह आज का दिन मनाया जा रहा है। भाजपा महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष शशि पटेल ने कहा कि हम सभी को आज अपार खुशी है इसी के चलते हम लोगों ने आज राम मंदिर आकर घी के दीपक जलाए हैं। इस मौके पर महिला मोर्चा की नगर मंत्री स्वाति ओमर ने कहा कि आज हमारे प्रभु राम के मंदिर का निर्माण चालू हो गया है। यह हम सब लोगों के लिए बहुत बड़ी खुशी की बात है। इस मौके पर महिला मोर्चा की सोमवती निषाद, संगीता तिवारी, मंजू साहू, शारदा शुक्ला, मनीष श्रीवास्तव, जय देवी के अलावा भाजयुमो के रोहित कश्यप, ऋतिक विश्वकर्मा आदि लोग भी मौजूद रहे।

बरसात के कारण कच्ची छत ढहने से मलबे में दबी महिला

बिन्दकी, फ्तेहपुर (प्रभात न्यूज)। बारिश के चलते रात को अचानक घर की कच्ची छत ढह गई। जिसके मलबे में गृह स्वामिनी दब गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। कच्ची छत ढहने और महिला के दब जाने से हड़कंप मच गया। परिजनों ने शोर मचाया तो पड़ोसियों ने मिलकर महिला को मलबे से बाहर निकाला और गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार नगर के मोहल्ला मीरखपुर में लगभग आधी रात को रामबाई देवी उम्र 50 साल पत्नी स्व0 रमेश सैनी अपने कच्चे घर में सोई हुई थी तभी अचानक बरसात के कारण कच्चे मकान की छत ढह गई। जिसके मलबे में गृह स्वामिनी दबकर गंभीर रूप से घायल हो गई। गृह स्वामिनी के पुत्र गौरव सोनी ने आवाज सुनी तो देखा कि मां मलबे में दबकर घायल हो चुकी थी। उसने पड़ोसियों को आवाज लगाई। पड़ोसी मौके पर पहुंचे। काफी प्रयास के बाद उनको मलबे से बाहर निकाला गया और गंभीर हालत में सीएचसी में भर्ती कराया गया। चिकित्सक में हालत चिंताजनक देखते हुए प्राथमिक उपचार जिला अस्पताल रेफर कर दिया। गौरव सैनी ने बताया कि उनकी मां घर में लेटी हुई थी। जबकि दूसरे कमरे में लेटा हुआ था। लगभग आधी रात को अचानक की गई। जिसमें उसकी मौत हो गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। उसने बताया कि मलबे में हजारों रुपए की संपत्ति भी खराब हो गई। उधर इस मामले की जानकारी मिलने पर कस्बा लेखपाल भान सिंह मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी लेकर हानि के बारे में आकलन किया।

संत कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार योजनान्तर्गत आवेदन आमंत्रित

लखनऊ, संवाददाता। सहायक आयुक्त हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग लखनऊ परिक्षेत्र मनोज कान्त गर्ग ने बताया कि लखनऊ परिक्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले जनपद सीतापुर, हरदोई, बाराबंकी, रायबरेली, लखनऊ, लखीमपुर खीरी के समस्त हथकरघा बुनकरों को सूचित किया जाता है कि संत कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2020.21 हेतु हथकरघा बुनकरों द्वारा निर्मित वस्त्रों में से उत्कृष्ठ उत्पादो के चयन हेतु फुल साइज के सैम्पुल कार्यालय सहायक आयुक्त हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग यजिला पंचायत भवन कैसरबाग लखनऊ के द्वारा मांगे गये है, जिनका चयन समिति द्वारा प्रथमए द्वितीय, तृतीय पुरस्कार के रूप में किया जायेगा। अतः इच्छुक बुनकर अपने फुल साइज के सैम्पुलों के साथ पूर्ण विवरण सहित जैसे वार्प, सूत, रंग डिजाइन तथा तकनीकी विवरण सहित अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 15.08.2020 तक उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

नई शिक्षा नीति से कितना बदलाव आएगा!

प्रस्तावित नई शिक्षा नीति को लेकर तमाम तरह की बातें, तथ्य और बहसें आये दिन सामने आ रही हैं। देश में एक लम्बे समय के बाद नई शिक्षा नीति आयी है। नई शिक्षा नीति को लेकर देश में उत्साह का माहौल दिखाई दे रहा है। असल में एक लम्बे समय से जो शिक्षा नीति हमारे यहां लागू है, उसमें समय के अनुसार बदलाव की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। ऐसा नहीं है कि इसमें बदलाव नहीं आया लेकिन आमूलचूल परिवर्तन तो नई शिक्षा नीति से ही संभव था, ऐसे में सरकार ने काफी विचार-विमर्श और शोध के बाद नई शिक्षा नीति का प्रारूप तैयार किया है। प्रस्तावित शिक्षा नीति को लेकर अलग अलग समूहों की अपनी अपनी राय और विचार है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि नई शिक्षा नीति से कितना बदलाव आएगा? क्या नई शिक्षा नीति से देश की बदलते समय की जरूरतें पूरी हो पाएंगी? क्या शिक्षा नीति देश के भविष्य अर्थात् बच्चों को वो सब दे पाएगी जो बदलते दौर में उन्हें चाहिए। सवाल दर सवाल बहुत हैं लेकिन नई शिक्षा नीति को जमीन पर उतारना क्या इतना आसान है, सवाल यह भी है। केंद्र सरकार ने 34 साल बाद नई शिक्षा नीति के ऐलान के साथ ही मानव संसाधन मंत्रालय का नाम बदलकर फिर से शिक्षा मंत्रालय करने का निर्णय किया। नई नीति में जितने व्यापक स्तर पर बदलाव की घोषणा की गई है, उसे देखते हुए कम से कम एक बात विश्वासपूर्वक कही जा सकती है कि सरकार ने बदलावों को लेकर किसी भी तरह की हिचक नहीं दिखाई है। चाहे शिक्षा व्यवस्था का दायरा बढ़ाते हुए उसमें तीन साल के प्री-स्कूलिंग पीरियड को शामिल करने की बात हो, या कम से कम पांचवीं तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा या स्थानीय अथवा क्षेत्रीय भाषा को बनाने की, ऐसे तमाम बड़े-बड़े फैसले इसमें शामिल हैं जिन पर समाज में तीखी बहस होती रही है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि आजादी के बाद से शिक्षा के क्षेत्र में काफी परिवर्तन आए हैं। देश की जरूरत के हिसाब से शिक्षा नीति और शिक्षा क्षेत्र में व्यापक और लगातार सुधार की जरूरतों से इंकार नहीं किया जा सकता, लेकिन यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि स्कूलों की स्थिति बदली है, लेकिन वह भी शहरों तक ज्यादा सीमित है। गांवों, पिछड़े और आदिवासी इलाकों में अब भी पर्याप्त भवन नहीं हैं, जिनमें स्कूल चलाए जा सकें। अब भी बच्चे टाट, दरी या जमीन पर बैठकर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। भारत सरकार फिलहाल देश के जीडीपी का करीब 4.34 फीसदी शिक्षा पर खर्च कर रही है। अब लक्ष्य 6 फीसदी तय किया गया है। उसका विश्लेषण तो नया बजट आने के बाद ही संभव है, लेकिन सरकार नई नीति के तहत शिक्षा की सूरत बदलना चाहती है। प्रस्तावित नई शिक्षा नीति के अनुसार स्कूल शिक्षा का सूरत और सीरत दोनों ही बदल जाएगी। पहले प्री-स्कूल शिक्षा निजी और अंग्रेजी माध्यम के महंगे संस्थानों में ही कराई जाती थी। सरकारी स्कूल सीधा पहली कक्षा से ही शुरुआत करते थे, लेकिन शिक्षा नीति का जो प्रारूप जो फॉर्मूला तय किया गया है, उसके तहत पहले पांच साल में तीन साल तक बच्चे खेलों और गतिविधियों के जरिए सीखने की कोशिश करेंगे। इस उम्र में बच्चों का मानसिक विकास बहुत तेज गति से होता है, लिहाजा बच्चे चीजों की पहचान सीखेंगे, वर्णमाला के अक्षर बोलना सीखेंगे और कुछ अन्य विविध शिक्षा ग्रहण करेंगे।तीन साल के बाद पहली और दूसरी कक्षा की पढ़ाई होगी। उसके बाद पांचवीं तक, फिर 8वीं तक और अंत में 9वीं से 12वीं कक्षा की पढ़ाई कराई जाएगी। शिक्षा वस्तुपरक और विषयपरक होगी।

नई शिक्षा पद्धति का सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि किताबी शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास के प्रशिक्षण दिए जाएंगे। यानी किशोर उम्र तक बच्चा सोचने लगेगा कि उसे किसी हुनर पर आधारित काम-धंधा करना है या फिर उच्च शिक्षा की ओर जाना है। यदि यह पद्धति कड़ाई से लागू की गई और हुनर के कार्यक्रम फर्जी और सांकेतिक होने के बजाय गंभीरता और पेशेवर तरीके से चलाए गए, तो शिक्षा की नई सूरत सामने आ सकती है।कमोबेश किताबें रटने वाली जो शिक्षा भारत में क्लर्क ही पैदा करती रही है, उससे छुटकारा मिल सकता है, क्योंकि 10-12वीं स्तर तक आते-आते परीक्षाएं वस्तुपरक भी होने लगेंगी। परीक्षाओं की सूरत भी बदलेगी।

स्कूल में दाखिला लेने से भी ज्यादा बड़ी समस्या किसी कारणवश पढ़ाई बीच में छोड़ देने की देखने में आई है। हमारे आस-पास ऐसे कई बच्चे मिल जाएंगे जिन्होंने किसी ने किसी वजह से पढ़ाई बीच में छोड़ दी। नई शिक्षा नीति के लिए यह गंभीर चुनौती है। यह भी लक्ष्य तय किया गया है कि शिक्षा नीति के जरिए दो करोड़ बच्चे दोबारा मुख्यधारा में लाए जाएंगे। सेकंडरी तक सब की शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित होगी और 2030 तक 100 फीसदी नामांकन स्कूलों में होगा। उच्च शिक्षा में 2035 तक सकल प्रवेश दर 50 फीसदी तक बढ़ाई जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने भी यह लक्ष्य दोहराया है। वह चाहते हैं कि देश में नौकरी मांगने वालों के बजाय नौकरी देने वालों की संख्या ज्यादा बढ़े। यानी प्रधानमंत्री का फोकस स्व-रोजगार पर है और उसे स्कूली शिक्षा के जरिए भी वह हासिल करना चाहते हैं। नई शिक्षा नीति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का अस्तित्व खत्म करके 'भारतीय उच्च शिक्षा आयोग' का गठन क्यों किया जा रहा है। प्रस्तावित आयोग के अधीन चार स्वतंत्र संस्थाएं वही काम करेंगी, जो यूजीसी किया करता था। सभी विवि और कॉलेज 2040 तक बहुविषयी होने का लक्ष्य तय करें। आईआईटी में विज्ञान और इंजीनियरिंग के साथ-साथ कला और मानविकी के विषय और कृतियां भी पढ़ाई जाएंगी। कला के छात्र भी विज्ञान पढ़ेंगे। यह लक्ष्य दूरगामी साबित हो सकता है, लेकिन त्रिभाषा फॉर्मूले और शुरुआती पढ़ाई के भाषायी माध्यम को लेकर पेंच हैं।

2040 तक उच्च शिक्षा के सभी संस्थानों को बहु विषय संस्थान बनाना होगा जिसमें 3000 से ज्यादा छात्र होंगे। साथ ही वे ऑन लाइन और डिस्टेंस लर्निंग कोर्स का विकल्प भी दे सकेंगे।

महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को अधिक स्वायत्तता देने की योजना भी इस नीति में है। 2050 तक कम से कम 50 फीसदी छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा देने का सपना भी दिखाया गया है। 12 वीं उत्तीर्ण कर चुके हर छात्र के पास कोई न कोई करोबारी योग्यता होगी। प्रारंभिक स्तर से ही इसकी शुरुवात अच्छी सोच है। बीएड कालेज बंद कर दिए जायेंगे तथा उसकी शिक्षा सामान्य महाविद्यालय से ली जा सकेगी। नौकरी करने वाले को 3 और शोध के इच्छुक छात्रों को 4 वर्ष में डिग्री मिलेगी। मातृभाषा में शिक्षा को ही लिया जाए, तो नई शिक्षा नीति का ये अहम पहलू है। विशेषज्ञ काफी पहले से कहते रहे हैं कि शुरुआती उम्र में मातृभाषा में पढ़ाई बच्चों के सहज व तेज मानसिक विकास में सहायक होती है। मातृभाषा में शुरुआती पढ़ाई का प्रचलन इस खाई को थोड़ा-बहुत भी पाटता है तो सबके लिए अच्छा होगा। इसी तरह कॉलेज स्तर पर भी अंडरग्रैजुएट कोर्स को तीन या चार साल का और एमए को एक साल का करने से लेकर मल्टिपल एग्जिट की व्यवस्था करने तक ऐसे अनेक कदम उठाए गए हैं जो भारतीय शिक्षा व्यवस्था के लिए बाकी दुनिया से तालमेल बनाते हुए चलना आसान बनाएंगे। हां, इसमें कुछ ऐसी घोषणाएं भी कर दी गई हैं जो पहली नजर में रस्मी लगती हैं और जिनके अमल में आने को लेकर संदेह स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए इसमें शिक्षा पर जीडीपी का छह फीसदी खर्च करने की बात है जो आजादी के बाद से ही दोहराई जाती रही है। बड़े और क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद जगाती नई शिक्षा नीति अमल की कसौटियों पर कितना खरा उतरती है, यह देखने के लिए थोड़ा इंतजार तो करना ही होगा।

सम्पादकीय

सुशासन की कसौटी है रामराज्य

महात्मा गांधी की परिकल्पना का रामराज्य स्थापित हो!

5 अगस्त, 2020 को सिर्फइसलिए ऐतिहासिक दिन नहीं कहा जाएगा क्योंकि अयोध्या में भगवान श्रीराम का बहुप्रतीक्षित मंदिर बनने की शुरुआत हो रही है। भारत के विशाल प्रांगण में सभी तरह की धार्मिक आस्थाओं के आराधना स्थलों के लिए पर्याप्त जगह और उसकी चिंतन प्रणाली के लिए भरपूर सम्मान रहा है। अलबत्ता राम मंदिर का शिलान्यास जिन परिस्थितियों तथा तरीकों से हो रहा है वह आने वाले समय में राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक स्तरों पर बहसों के नये-नये रास्ते तो खोलेगा ही, यह भी देखना होगा कि क्या देश गांधीजी के रामराज्य की स्थापना की ओर कदम बढ़ायेगा जिसका दावा हर राजनैतिक दल और शासन प्रमुख करते आए हैं। राम मंदिर को लेकर पिछले लगभग 500 वर्षों से मजहबी संघर्ष का इतिहास रहा है। साथ ही गुजरात के सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण एक नजीर के रूप में हमारे सामने मौजूद है। यह मंदिर विदेशी आक्रांताओं के द्वारा नष्ट किया गया था जिसके पुनर्निर्माण में देश के पहले गृह मंत्री वल्लभभाई पटेल ने अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि जब तक वह बना, पटेल दुनिया से जा चुके थे। मंदिर निर्माण की खास बात यह थी कि उसमें कोई सरकारी मदद नहीं ली गई थी और उसका भूमिपूजन व लोकार्पण तत्कालीन प्रधानमंत्री नहीं बल्कि राष्ट्रपति ने किया था जो देश की सांस्कृतिक विविधता के प्रतिनिधि होते हैं। बेहद धार्मिक गांधीजी उसमें शासकीय आर्थिक मदद और संलग्नता के खिलाफथे। इसलिए तब के प्रधानमंत्री ने इसमें शिरकत नहीं की थी। इसके विपरीत अयोध्या के राम मंदिर का शिलान्यास हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री कर रहे हैं। गांधी राजनीति को धर्म और आध्यात्म के मूलभूत व नैतिक तत्वों के आधार पर संचालित करना चाहते थे, पर अब राजनीति धर्म का सीधा-सीधा उपयोग करती है। लगभग 30 साल पहले प्रारंभ हुआ राम जन्मभूमि आंदोलन अपनी पूर्णता पर तो पहुंच गया है परंतु यह तय है कि इसका राजनैतिक लाभ लिया जाता रहेगा। क्या ही अच्छा होता कि परंपराओं के मुताबिक इसका भूमिपूजन हमारे उतने ही सम्मानित राष्ट्रपति करते जो हमारी विविधता के प्रतिनिधि तो हैं ही, दलित नेता भी हैं। इससे सामाजिक एकीकरण और सौहार्द्रता को भी बल मिलता। आखिरकार राम सामाजिक समन्वय के सबसे बड़े राजदूत ही तो थे। गांधीजी मूलतः एक धर्मप्राण व्यक्ति थे जो धर्म को मानव के जीवन और मानव समाज का बुनियादी तत्व मानते थे। उनका विश्वास था कि धर्म के अभाव में मनुष्य और समाज दोनों ही शून्य और निष्प्राण हो जाएंगे। इसीलिये गांधीजी के प्रत्येक काम और प्रत्येक शब्द की मूल प्रेरणा धर्म ही था। गांधीजी ने अपने धार्मिक विश्वासों और अपनी प्रेरक शक्ति के बारे में कहा है-जब से मैंने सार्वजनिक जीवन को जाना है, मेरे प्रत्येक कार्य और शब्द के मूल में पूर्णतरू धार्मिक भावना रहती है। वैसे गांधीजी का धर्म से अभिप्राय संकीर्ण, औपचारिक और साम्प्रदायिक विश्वासों से नहीं था। इसे वे स्पष्ट करते हैं-धर्म से मेरा अभिप्राय औपचारिक या रूढ़िगत धर्म से नहीं है, वरन उस धर्म से है, जो सब धर्मों की बुनियाद है। धर्म का अर्थ-सम्प्रदायवाद नहीं है। यह विश्व के व्यवस्थित नैतिक शासन में विश्वास है। यह हिन्दुत्व, इस्लाम, ईसाइयत आदि से परे है। यह मानव समाज का शाश्वत तत्व है, जो अपनी सम्पूर्ण अभिव्यक्ति के लिए कोई भी मूल्य चुकाने के लिए तैयार रहता है। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने अपनी प्रसिद्ध किताब श्संस्कृति के चार अध्यायश् में महात्मा गांधी के धर्म संबंधी विचारों की विस्तार से व्याख्या की है। वे बतलाते हैं कि स्वयं गांधीजी कहते थे- श्मेरा उद्देश्य धार्मिक है, किन्तु मानवता से एकाकार हुए बिना मैं धर्म-पालन का मार्ग नहीं देखता। इसी कार्य के लिए मैंने राजनीति का क्षेत्र चुना है, क्योंकि इस क्षेत्र में मनुष्यों से एकाकार होने की सम्भावना है। मनुष्य की सारी चेष्टाएं, उसकी सारी प्रवृत्तियां एक हैं। समाज और राजनीति से धर्म अलग रखा जाए, यह सम्भव नहीं है। मनुष्य में जो क्रियाशीलता है, वही उसका धर्म भी है। जो धर्म मनुष्य के दैनिक कार्यों से अलग होता है, उससे मेरा परिचय नहीं है। कहना न होगा कि आज हमारी राजनीति धार्मिक होने का सर्वाधिक दिखावा करती है लेकिन वही सर्वाधिक अमानवीय है। दिनकर आगे लिखते हैं-जीवन और समाज के धार्मिक तथा धर्म-निरपेक्ष (सेक्युलर) तत्वों के बीच बहुत दिनों से विभाजक रेखा चली आ रही थी। गांधीजी ने इस रेखा को मिटा दिया। कबीर ने जैसे सहज मार्ग का आख्यान करते हुए कहा था, श्जहं-जहं डोलूं सो परिचर्या, जो-जो करूं सो पूजा, उसी प्रकार, गांधीजी ने अपने आचरण से सिद्ध कर दिया कि धर्म किसी खास दिन, किसी लग्न-विशेष का कृत्य नहीं है, प्रत्युत, वह मनुष्य के प्रत्येक कार्य में विद्यमान रह सकता है। यहां तक कि राजनीति भी धर्म की अभिव्यक्ति का उपयुक्त माध्यम हो सकती है।

रामराज्य को सुशासन की कसौटी माना जाता है. यद्यपि रामराज्य राजतंत्र था, लेकिन एक आदर्श लोकतंत्र के सभी गुण उसमें पाये जाते हैं. समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज भी रामराज्य में सुनी जाती थी. रामराज्य का आदर्श वस्तुतः एक नयी विश्व व्यवस्था का राज्यादर्श है. यह एक ऐसा चिरप्राचीन राज्यादर्श है, जो अपने विश्वव्यापी दृष्टिकोण के अनुसार मानवीय समस्याओं का शाश्वत समाधान प्रस्तुत करता है. प्राचीन भारत को ऐश्वर्य तथा वैभव के उच्चतम शिखर पर पहुंचाने का श्रेय इस उदात्त राज्यादर्श को ही रहा है. कालचक्र ने अनेक सभ्यताओं को अपने गर्भ में विलीन कर लिया और उनके स्मृति-चिह्न भी मिटा दिये हैं, किंतु दैवीय अवधारणा और वैदिक पृष्ठभूमि से संपन्न भारत का यह राज्यादर्श न केवल आज भी जीवंत है, वरन् अपने प्रकाश से वर्तमान की पराभव-ग्रस्त मानवता का मार्ग-दर्शन कर रहा है. इसमें आदर्श राज्य-व्यवस्था के और जनता को वास्तविक तथा सार्थक कल्याणकारी शासन प्रदान करने के सूत्र और विधान सन्निहित हैं. महर्षि वाल्मीकि ने दो दृष्टांत देकर श्रीराम के उदात्त चरित्र और आदर्श व्यक्तित्व को विशेष रूप से उजागर किया है. पहला, जब श्रीराम का राजतिलक रोक दिया जाता है और उन्हें वन गमन का निर्देश दिया जाता है. दूसरा, जब वनवास-काल में सीता का अपहरण हो जाता है और दैव के दुर्विपाक का राम दृढ़ साहस तथा धैर्य से सामना करते हैं. अंततः सीता के परित्राण और पुनरुद्धार के बाद राम उनसे कहते हैं, 'हे देवि! आज मेरा पराक्रम कृतकृत्य हो उठा है. मेरे पराक्रम पर जो लांछन लगा था, उसे मैंने अपने पुरुषार्थ से मिटा दिया है. इन दो घटनाओं और दो दृष्टांतों का शाश्वत संदेश यह है कि धर्ममय तथा पुण्यमय व्यक्ति अपने भाग्य को भी बदल सकता है. यही किसी वीर पुरुष का वास्तविक पौरुष है. इन दृष्टांतों से सिद्ध होता है कि यदि कोई व्यक्ति स्वयं में जागरूक है, तो वह अपने श्रेष्ठ कर्मों के पुरुषार्थ से दैव के दुर्विपाक द्वारा उपस्थित विपदा का अंत कर सकता है. यदि भारत में आज कोई ईमानदारी, अतिथि सत्कार, सतीत्व, परोपकार, मूक पशुओं के प्रति दया भाव, पाप से घृणा तथा भलाई की भावना है, तो वह जनमानस में रामचरित्र के प्रति आस्था के ही कारण है. यह केवल हिंदुओं या भारतीयों के लिए नहीं, बल्कि समूचे संसार के लिए सार्थक है. भारत की धार्मिक स्वतंत्रता तथा सहनशीलता की परंपरा अद्वितीय है. ऋग्वेद का यह वाक्य विश्व प्रसिद्ध है-'आदर्श विचारों को हर दिशा से आने दो.' पर वर्तमान युग आध्यात्मिक अज्ञान एवं आत्मा की निर्धनता का युग है. जब मनुष्य अपनी आत्मा को झूठे भौतिक वैभव से धोखा देकर उसके कवित्वमय बोध को नष्ट करता है, तो यह स्मरण करना आवश्यक हो जाता है कि सभ्यता आत्मा की ही देन है. भौतिक उन्नति को आत्मा की उन्नति नहीं समझना चाहिए. जब टेक्नोलॉजी नैतिक उत्थान से श्रेष्ठ हो जाती है, तो सभ्यता लुप्तप्राय होने लगती है. हमारे ऋषियों ने किसी राज्य की महानता आकार तथा धन-संपत्ति से नहीं, बल्कि उस राज्य में नागरिकों की भलाई के लिए होनेवाले न्याय संगत कार्यों के आधार पर आंकी थी. बलिदान सफलता से अधिक महत्वपूर्ण तथा त्याग सफलता का सर्वोच्च मापदंड था. किसी नागरिक का समाज में मान-सम्मान, धन संपत्ति के आधार पर नहीं, बल्कि ज्ञान, गुण तथा चरित्र के आधार पर होता था. हमारे ऋषियों ने राम के जीवन चरित्र को आदर्श रूप में निरुपित किया है. इसलिए, उसकी अवहेलना समाजद्रोही ही नहीं, बल्कि राष्ट्रद्रोही कहा जायेगा. प्राचीनकाल के राजागण स्वयं सत्य और न्याय के मार्ग पर चलते हुए प्रजा को प्रेरित करते थे. इसलिए उनके राज्यों में शांति-प्रेम-संपन्नता के साथ-साथ समस्त ऐश्वर्य तथा वैभव सहज ही उपलब्ध थे. तुलसीदास ने इस स्थिति का प्रस्तुतीकरण श्रीरामचरितमानस के उत्तरकांड में 'रामराज्य' के रूप में किया है. इसका सार-तत्व है-'रामराज्य में कोई किसी से वैर नहीं करता है. विषमता का नामो-निशान नहीं है. अपने-अपने कर्तव्य-कर्म को सुंदर ढंग से संपन्न करते हुए सभी लोग सुख-शांति का जीवन व्यतीत करते हैं. भय, शोक, रोग आदि कहीं कुछ नहीं है. त्रयताप से कोई पीड़ित नहीं होता है. सभी लोग एक-दूसरे से प्रेम करते हैं. सभी पुण्यात्मा और श्रेष्ठ सद्गति के अधिकारी हैं. किसी की अकाल मृत्यु नहीं होती हैघ् सभी लोग स्वस्थ, सुंदर, निरोग हैं. बुद्धिमान, ज्ञानवान चरित्रवान, कृतज्ञ और महिमान हैं. उदार, परोपकारी और विनम्र हैं. वनों में वृक्ष सदा फूलते-फलते रहते हैं. मनोरम उद्यान हैं, जिनमें शीतल पवन बहता है और पक्षी कलरव करते रहते हैं. नदियों में शीतल जल बहता है. सारांशतः रामराज्य में सदा-सर्वदा आनंद है. उसकी सुख-संपदा अवर्णनीय है. अधिक क्या कहा जाए, श्राजा राम का प्रजारंजक आदर्श राज्य यथावत सतयुग के राज्य जैसा ही है.'

रामराज्य जैसे आदर्श राज्य की अभिलाषा की पूर्ति के लिए शासक द्वारा इनका अनुसरण अपेक्षित है- राजा में राजमद न हो. वह मर्यादा का पालक हो. मंत्रियों और विद्वानों के परामर्श से कार्य करनेवाला हो. जनता को सुखी बनाने से बढ़ कर अपना कोई धर्म न माने. आत्म विजय करे अर्थात इंद्रिय-जयी हो. जनता को कर्तव्य-पथ में प्रेरित करता रहे. विपत्ति में धीर और संपत्ति में शांत-संयमित रहे. श्रेष्ठ कर्मो के आदर्श उपस्थित करे. परस्त्री को माता माने. परधन का लोभ न करे. शूर से शूर होकर संग्राम करें. प्रजावर्ग में कोई भेदभाव न करे. विषमता, दरिद्रता, अशिक्षा, भेद, दंड आदि से सर्वथा मुक्त सत्यमूलक समाज की संस्थापना और उसके संवर्धन के लिए एकनिष्ठ भाव से स्वयं को समर्पित कर दे. रामायण से यह शिक्षा मिलती है कि धर्माचरण में रत अकेला व्यक्ति भी एक संपूर्ण अन्यायी साम्राज्य का विनाश कर सकता है. ऐसे व्यक्ति में यह सामर्थ्य होता है कि नियति द्वारा लाये गये प्रतिकूल परिणाम को वह निरस्त कर दे और अपना श्रेय तथा लक्ष्य प्राप्त कर ले. ऐसा व्यक्ति अन्यायों का निराकरण तो करता ही है, वह प्रतिपक्ष का भी सुधार तथा उद्धार करने के साथ-साथ संपूर्ण विश्व का कल्याण करने में भी सक्षम होता है.

जहरीली जीएम फसलों पर जरूरी है, नियंत्रण

यदि कोई अवैध कार्रवाई हो रही हो तो सरकार का कर्तव्य है कि इस पर तुरंत रोक लगाए। पर हाल में कुछ लोगों ने कहा है कि सरकार कानून ही इस तरह बदल दे कि जो अवैध है वह वैध नजर आने लगे। यह अजीब स्थिति श्जीएमश् (जेनेटिकली मोडीफाईड या जीन-संवर्धित) फसलों के संदर्भ में देखने में आई है। अनेक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक बार-बार चेतावनी दे चुके हैं कि स्वास्थ्य, पर्यावरण, जैव-विविधता, कृषि व खाद्य-व्यवस्था के लिए जीएम फसलें बहुत खतरनाक हैं। इसके बावजूद श्जीएमश् बीजों व इनसे जुड़ी रासायनिक दवाओं को बढ़ाने वाली कंपनियां अपने उत्पादों की बिक्री को तेजी से बढ़ाने के लिए इनका प्रचार-प्रसार करती रही हैं व अपनी अपार धन-दौलत के बल पर उन्होंने अपने अनेक समर्थक उत्पन्न कर लिए हैं। हाल में इन लोगों ने सरकार को विचित्र सलाह देते हुए कहा है कि कुछ जीएम फसलों को अवैध रूप से भारत के खेतों में फैलाया जा रहा है जिसे रोकने के लिए सरकार को चाहिए कि वह इन जीएम फसलों को वैधता दे दे। यह अजीब तर्क है कि किसी अवैधता को रोकने के लिए उस अवैधता को वैध कर दो, पर जीएम फसलों का सारा ताना-बाना ही इस तरह के मिथ्या व भ्रामक प्रचार के बल पर खड़ा हुआ है। जीएम फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार यह रहा है कि ये फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा उनका यह असर जेनेटिक प्रदूषण के माध्यम से अन्य सामान्य फसलों व पौधों में फैल सकता है। इस विचार को इंडिपेंडेंट साईंस पैनल (स्वतंत्र विज्ञान मंच) ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है। इस पैनल में एकत्रित हुए अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने श्जीएमश् फसलों पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया है। इसके निष्कर्ष में उन्होंने कहा है जीएम फसलों के बारे में जिन लाभों का वायदा किया गया था, वे प्राप्त नहीं हुए हैं व ये फसलें खेतों में बढ़ती समस्याएं उपस्थित कर रही हैं। अब इस बारे में व्यापक सहमति है कि इन फसलों का प्रसार होने पर ट्रान्सजेनिक प्रदूषण से बचा नहीं जा सकता।

अतः जीएम फसलों व गैर-जीएम फसलों का सह-अस्तित्व नहीं हो सकता है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि जीएम फसलों की सुरक्षा प्रमाणित नहीं हो सकी है। इसके विपरीत ऐसे पर्याप्त प्रमाण मिल चुके हैं जिनसे इन फसलों की सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं उत्पन्न होती हैं। यदि इनकी उपेक्षा की गई तो स्वास्थ्य व पर्यावरण की क्षति होगी जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। जीएम फसलों को अब दृढ़ता से खारिज कर देना चाहिए। इन फसलों से जुड़े खतरे का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष कई वैज्ञानिकों ने यह बताया है कि जो खतरे पर्यावरण में फैलेंगे उन पर हमारा नियंत्रण नहीं रह जाएगा व गंभीर दुष्परिणाम सामने आने पर भी हम इनकी क्षति-पूर्ति नहीं कर पाएंगे। जेनेटिक प्रदूषण का मूल चरित्र ही ऐसा है। वायु-प्रदूषण व जल-प्रदूषण की गंभीरता पता चलने पर उन्हें नियंत्रित किया जा सकता है, पर जेनेटिक-प्रदूषण एक बार पर्यावरण में चले जाने पर हमारे नियंत्रण से बाहर हो जाता है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को केवल इस कारण परेशान किया गया है या उनका अनुसंधान बाधित किया गया है, क्योंकि उनके अनुसंधान से जीएम फसलों के खतरे पता चलने लगे थे। इन कुप्रयासों के बावजूद निष्ठावान वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से जीएम फसलों के गंभीर खतरों को बताने वाले दर्जनों अध्ययन उपलब्ध हैं। जैफरी एम. स्मिथ की पुस्तक जेनेटिक रुलेट् (जुआ) के 300 से अधिक पृष्ठों में ऐसे दर्जनों अध्ययनों का सार-संक्षेप या परिचय उपलब्ध है। इनमें चूहों पर हुए अनुसंधानों में पेट, लिवर, आंतों जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण अंगों के बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने की चर्चा है। जीएम फसल या उत्पाद खाने वाले पशु-पक्षियों के मरने या बीमार होने की चर्चा है व जेनेटिक उत्पादों से मनुष्यों में भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का वर्णन है। हाल ही में देश के जीनेटिक साइंस के महान वैज्ञानिक प्रोफेसर पुष्प भार्गव का निधन हुआ है। वे श्सेण्टर फॉर सेल्यूलर एंड मॉलीक्यूलर बॉयोलाजी, हैदराबाद के संस्थापक निदेशक व नेशनल नॉलेज कमीशन के उपाध्यक्ष रहे थे। उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियां बहुचर्चित रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने प्रो. पुष्प भार्गव को जेनेटिक इंजीनियरिंग एप्रूवल कमेटी (जीईएसी) के कार्य पर निगरानी रखने के लिए नियुक्त किया था। प्रो. पुष्प भार्गव ने बहुत प्रखरता से जीएम फसलों का बहुत स्पष्ट और तथ्य आधारित विरोध किया था। अंग्रेजी दैनिक हिंदुस्तान टाईम्स के अपने लेख में प्रो. भार्गव ने लिखा था कि लगभग 500 अनुसंधान प्रकाशनों ने जीएम फसलों के मनुष्यों, अन्य जीव-जंतुओं व पौधों के स्वास्थ्य पर हानिकारक असर को स्थापित किया है।

ये सभी प्रकाशन ऐसे वैज्ञानिकों के हैं जिनकी ईमानदारी के बारे में कभी, कोई सवाल नहीं उठा है। प्रो. भार्गव ने आगे लिखा कि दूसरी ओर श्जीएमश् फसलों का समर्थन करने वाले लगभग सभी पेपर या प्रकाशन उन वैज्ञानिकों के हैं जिन्होंने कॉन्फिलओक्ट ऑफ इंटरेस्ट स्वीकार किया है या जिनकी विश्वसनीयता व ईमानदारी के बारे में सवाल उठ सकते हैं। जीएम फसलों के समर्थक प्रायः कहते हैं कि इनको वैज्ञानिकों का समर्थन मिला है, पर प्रो. भार्गव ने इस विषय पर समस्त अनुसंधानों का आंकलन कर स्पष्ट बता दिया था कि अधिकतम निष्पक्ष वैज्ञानिकों ने जीएम फसलों का विरोध ही किया है। साथ में उन्होंने यह भी बताया था कि जिन वैज्ञानिकों ने श्जीएमश् को समर्थन दिया है उनमें से अनेक किसी-न-किसी स्तर पर जीएम बीज बेचने वाली कंपनियों या इस तरह के निहित स्वार्थों से किसी-न-किसी रूप में जुड़े या प्रभावित रहे हैं। कुछ जीएम फसलों के साथ खतरनाक खरपतवार-नाशकों को जोड़ दिया गया है। ऐसा श्ग्लाईफोसेटश् नामक एक खरपतवार-नाशक स्वास्थ्य के लिए बहुत खतरनाक पाया गया है। हाल ही में कैलिफोर्निया (अमरीका) की एक अदालत ने अपने महत्वापूर्ण निर्णय में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी को जानसन नामक व्यक्ति को बहुत अधिक क्षतिपूर्ति राशि देने को कहा है। यह कंपनी श्ग्लाईफोसेटश् नामक खतरनाक रसायन बनाती है। जानसन का कार्य स्कूलों के मैदानों की देख-रेख था। उसने इन खरपतवार-नाशकों का छिड़काव वर्षों तक किया जिससे उसे रक्त-कोशिका का एक ऐसा गंभीर कैंसर हो गया था जिसे श्नॉन-हाजकिन लिंफोमाश् कहा जाता है। इस मुकदमे के दौरान यह भी देखा गया कि इस खरपतवार-नाशक को किसी-न-किसी तरह सुरक्षित सिद्ध कर पाने के लिए कंपनी ने स्वयं तथ्य गढ़े और फिर किसी विशेषज्ञ का नाम उससे जोड़ दिया। यह इसके बावजूद किया गया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्यूएचओ) की कैंसर से जुड़ी अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एजेंसी (आईएआरसी) ने वर्ष 2015 में ही इस खरपतवार-नाशक से होने वाले कैंसर की संभावना के बारे में बता दिया था। भारत में भी इसका उपयोग होता है। ग्लाईफोसेट का उपयोग जीएम फसलों के साथ नजदीकी से जुड़ा रहा है और इसके गंभीर खतरों के सामने आने से जीएम फसलों से जुड़े खतरों की पुष्टि होती है। विशालकाय बहुराष्ट्रीय कंपनियां, जैसे-श्मानसेंटोश् व श्बेयरश् (जो बहुत बड़े सौदे के बाद एक हो गई हैं) बीज और कृषि रसायनों के व्यवसाय को साथ-साथ कर रही हैं व कई फसलों (विशेषकर जीएम फसलों) के बीजों के साथ ही उनके लिए उपयुक्त खरपतवार-नाशकों, कीटनाशकों आदि को भी बेचा जाता है। इससे कंपनियों की कमाई बहुत तेजी से बढ़ती है और किसानों का खर्च और कर्ज उससे भी तेजी से बढ़ते हैं। वकीलों जिस टीम ने जानसन की ओर से मुकदमा लड़ा था उनमें एडवर्ड केनेडी भी थे जिनके इसी नाम के विख्यात सीनेटर पिता थे। एडवर्ड केनेडी ने मुकदमे में जीत के बाद कहा कि इस तरह के उत्पादों की बिक्री के कारण न केवल बहुत से लोग गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से त्रस्त हो रहे हैं, अपितु अनेक अधिकारियों को भ्रष्ट बनाया जा रहा है, प्रदूषण से बचाने वाली एजेंसियों पर नियंत्रण किया जा रहा है व विज्ञान को झुठलाया जा रहा है। अमेरिका की माताएं (मॉम्स् एक्रॉस अमेरिका) की संस्थापक जेन हनीकट ने अदालत के इस निर्णय का स्वागत करते हुए मानवता के लिए व धरती पर पनप रहे सभी तरह के जीवन के लिए इसे एक जीत बताया। भारत सहित सभी देशों को जीएम फसलों, रासायनिक खरपतवार-नाशकों, जंतुनाशकों व कीटनाशकों के स्वास्थ्य व पर्यावरण पर दुष्परिणामों के बारे में व्यापक जन-चेतना का अभियान चलाना चाहिए, जिससे इनके बारे में सही व प्रामाणिक जानकारी किसानों व आम लोगों तक पंहुच सके।

पाकिस्तान के कप्तान अजहर अली भूल गए सारे नियम

टॉस के बाद जो रूट से मिलाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड व पाकिस्तान के बीच बुधवार से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला शुरू हो गया। कोविड 19 महामारी के बीच खेले जा रहे इस टेस्ट सीरीज के दौरान आइसीसी के सारे नियम लागू हैं। दरअअसल इस महामारी को देखते हुए आइसीसी ने कई नए नियम बनाए जिसमें ये भी शामिल है कि खिलाड़ी एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाएंगे, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान अजहर अली आइसीसी के नियम को ही भूल गए। मैनचेस्टर में पहले टेस्ट मैच से ठीक पहले जब टॉस हुआ तब पाकिस्तान के कप्तान अजहर अली ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और वो गलती से विरोधी टीम के कप्तान जो रूट से हाथ मिला बैठे। अजहर अली जैसी गलती वेस्टइंडीज टीम के कप्तान जेसन होल्डर ने भी की थी जब उन्होंने पहले टेस्ट मैच में टॉस के बाद कप्तान बेन स्टोक्स के लगभग हाथ मिला ही लिया था। इंग्लैंड व वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मैच साउथैंप्टन में खेला गया था। उस मैच में स्टोक्स ने होल्डर से हाथ मिलाने से मना कर दिया था और वहां मौजूद प्रजेंटर ने दोनों को नए नियमों की याद दिलाई थी। हालांकि पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच हुए टॉस के बाद जो घटना घटी उसमें वैसा कुछ नहीं हुआ और शायद अजहर व जो रूट दोनों ही आइसीसी के नए नियम को भूला बैठे। जब मैच शुरू हुआ तब इस घटना का रिप्ले टीवी पर दिखाया गया तब अजहर अली के चेहरे से ऐसा लगा कि उन्हें इस बात का अहसास है कि उन्होंने जो किया है वो मूर्खता भरी हरकत थी। आइसीसी ने कोविड 19 महामारी की वजह से खिलाड़ियों का एक-दूसरे से हाथ ना मिलाना, गेंद पर थूक का इस्तेमाल नहीं करने जैसे नियम बनाए हैं। खिलाड़ी इन नियमों का सख्ती से पालन करने की कोशिश भी कर रहे हैं, लेकिन इस टेस्ट मैच से पहले ऐसी घटना घट गई।

विराट कोहली व जो रूट की टीम को टेस्ट सीरीज में उनकी धरती पर हराना स्टीव स्मिथ का है सबसे बड़ा सपना

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के सबसे धाकड़ बल्लेबाज स्टीव स्मिथ अपने क्रिकेट करियर को विराम दे से पहले अपने दो सपने पूरे करना चाहते हैं। उनकी ख्वाहिश है कि वो इंग्लैंड को उसकी ही धरती पर एशेज सीरीज में हराएं तो वहीं भारत को भी टेस्ट सीरीज में उसकी ही धरती पर मात दें। आस्ट्रेलिया ने पिछले साल इंग्लैंड में 2-2 से ड्रा खेलने के बाद एशेज बरकरार रखी लेकिन ओवल में अंतिम टेस्ट में मिली हार अब भी स्मिथ को खटकती है। उन्होंने चार टेस्ट में 110.57 औसत से 774 रन बनाए थे और टेस्ट सीरीज के स्टार बल्लेबाज साबित हुए थे। 31 साल के इस खिलाड़ी ने 2017 में भारत में चार टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान तीन शतक लगाए थे लेकिन आस्ट्रेलियाई टीम 1-2 से हार गयी थी और अब विराट कोहली की अगुआई वाली भारतीय टीम पर टेस्ट में जीत उनकी सूची में सबसे ऊपर है। आस्ट्रेलिया को अक्टूबर 2022 में भारत का दौरा करना है। स्मिथ ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा कि ये दोनों बड़े पहाड़ हैं जिन्हें चढ़ना है और अगर आप ऐसा कर सकते हो तो यह काफी विशेष होगा। उम्मीद करता हूं कि मैं ऐसा कर पाऊं, देखते हैं कि हम कैसा करते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी उम्र भी अब बढ़ रही है और मैं नहीं जानता कि कितने और साल का क्रिकेट मेरे अंदर बचा है और कुछ नहीं कह सकते कि भविष्य में क्या है। लेकिन इन चीजों का लक्ष्य बना रहेगा, यह निश्चित है। पिछले साल की एशेज सीरीज के बारे में बात करते हुए स्मिथ ने कहा कि एशेज वापस रखना काफी विशेष था। दुर्भाग्य से हम इसे जीत नहीं सके जो मैं अब भी करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि जब हम सीरीज के खात्मे की तरफ थे और हम एशेज रखे हुए थे लेकिन अंतिम टेस्ट मैच हार गये इससे हमने वास्तव में कुछ नहीं जीता।

पाक को लगा दूसरा झटका अजहर अली आउट हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच का आज पहला दिन है। पाकिस्तान के कप्तान अजहर अली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की टीम ने खबर लिखे जाने तक 2 विकेट के नुकसान पर 104 रन बना लिए हैं। पाकिस्तान की टीम में विकेटकीपर के तौर पर मोहम्मद रिजवान को शामिल किया गया है। पूर्व कप्तान सरफराज अहमद का नाम 16 खिलाड़ियों की लिस्ट में था लेकिन प्लेइंग इलेवन में उन्हें जगह नहीं दी गई। पाकिस्तान की टीम ने अपना पहला विकेट ओपनर आबिद अली के तौर पर खोया। आबिद अली को तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 16 रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड कर दिया। टीम के कप्तान अजहर अली को क्रिस वोक्स ने शून्य पर LBW आउट कर दिया। डॉम सिब्ले, रोरी बर्न्स, जो रूट (कप्तान), बेन स्टोक्स, ओली पोप, जोस बटलर (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, डॉम बेस, स्टुअर्ट ब्रॉड, जोफ्रा आर्चर, जेम्स एंडरसन शान मसूद, आबिद अली, अजहर अली (कप्तान), बाबर आजम, असद शफीक, शादाब खान, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), यासिर शाह, शाहीन अफरीदी, मोहम्मद अब्बास, नसीम शाह वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज के इंटरनेशनल क्रिकेट की वापसी हुई थी। इंग्लैंड की टीम ने सीरीज में 0-1 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की और आखिर के दोनों मुकाबलों को जीतकर 2-1 से सीरीज पर कब्जा किया। 6 साल से घर में कोई सीरीज नहीं हारी है इंग्लैंड की टीम। इस दौरान इंग्लैंड ने 12 सीरीज खेली, जिसमें 8 सीरीज में उसने जीत दर्ज की, चार सीरीज ड्रॉ रही। 83 टेस्ट अब तक दोनों देशों के बीच खेले गए हैं। इंग्लैंड ने 25 टेस्ट जीते, जबकि पाकिस्तान ने 21 टेस्ट जीते, 37 मुकाबले ड्रॉ रहे। 53 टेस्ट इंग्लैंड ने घर में पाकिस्तान के खिलाफ खेले, जिसमें से उसने 23 टेस्ट जीते, 12 में उन्हें हार मिली और 18 टेस्ट ड्रॉ रहे। 81 मैच इस स्टेडियम में खेले गए हैं। 32 मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती, जबकि 14 मैच गेंदबाजी करने वाली टीम जीती।

मौजूदा भारतीय टेस्ट टीम से 5 खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल करते सौरव गांगुली

नई दिल्ली, एजेंसी। सौरव गांगुली के क्रिकेट के इतिहास के सबसे प्रभावशाली कप्तानों में से एक माना जाता है। बुधवार को सौरव गांगुली 48 साल के हो गए। गांगुली की कप्तानी में ही टीम इंडिया ने आक्रामक क्रिकेट खेलना सीखा। गांगुली की कप्तानी में सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग, हरभजन सिंह, जवागल श्रीनाथ, अनिल कुंबले व जहीर खान जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी खेले।

उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने दुनिया की बेहतरीन टेस्ट टीम को हराया और 2003 वनडे वर्ल्ड कप में फाइनल तक पहुंचे। गांगुली की कप्तानी में टीम इंडिया ने भारत में ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट सीरीज में हराया था तो वहीं विदेशी धरती पर भी अच्छे प्रदर्शन के जरिए देश को गौरवान्वित किया। वहीं मौजूदा भारतीय टीम भी विराट कोहली की कप्तानी में दुनिया की बेहतरीन टीम है और टेस्ट व वनडे में ये टीम नंबर एक बन चुकी है। वहीं सौरव गांगुली ने टीम इंडिया की मौजूदा टेस्ट टीम से 5 खिलाड़ियों का चयन किया जिन्हें वो अपनी टेस्ट टीम में चुन सकते थे। गांगुली ने कहा कि ये एक कठिन सवाल है क्योंकि हर जनरेशन में खिलाड़ी अलग होते हैं, लेकिन मौजूदा टेस्ट टीम से 5 खिलाड़ियों में से मैं विराट कोहली व रोहित शर्मा का चयन करूंगा। वहीं उन्होंने कहा कि मैं मयंक का चयन नहीं करूंगा क्योंकि मेरे पास वीरेंद्र सहवाग थे। इसके अलावा में बुमराह का चयन करूंगा क्योंकि दूसरे एंड पर जहीर खान होगें। वहीं जवागल श्रीनाथ के रिटायर होने के बाद मैं अपनी टीम में मोहम्मद शमी को रखता। मेरी टेस्ट टीम में हरभजन सिंह और अनिल कुंबले होते जबकि आर अश्विन को मैं तीसरे स्पिनर के तौर पर रखा। मैं टीम में रवींद्र जडेजा को भी रखता। वहीं गांगुली ने अपनी 2003 वनडे वर्ल्ड कप टीम में 2019 वर्ल्ड कप टीम से तीन खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा व जसप्रीत बुमराह को चुनने की बात कही थी।

गांगुली ने बताया कैसे इंटरनेशनल क्रिकेट के आखिरी दिन उन्हें धोनी ने दिया था अनोखा सरप्राइज

नई दिल्ली, एजेंसी। सौरव गांगुली ने अपने इंटरनेशनल क्रिकेट करियर के आखिरी दिन को याद किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से 2008 में जब वो अपने करियर का फाइनल टेस्ट खेल रहे थे और रिटायर होने वाले थे तब उस वक्त टीम के इंडिया के कप्तान रू छ्द्धश्ठ्ठद्व ने उन्हें सरप्राइज दिया था। नागपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गांगुली ने अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला था और इस मैच के फाइनल सेशन में धौनी ने उन्हें टीम इंडिया का कप्तान बना दिया था। फिर गांगुली ने 3-4 ओवर तक टीम की कप्तानी की और भारत को उस मैच में 172 रन से जीत मिली थी। 2000 से लेकर 2005 तक 49 टेस्ट मैचों में टीम इंडिया की कप्तानी करने वाले गांगुली ने कहा कि वो धौनी के इस कदम से सरप्राइज हो गए थे और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनके इंटरनेशनल करियर के आखिरी दिन उन्हें इस तरह से सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि नागपुर में मेरा आखिरी टेस्ट मैच था। वो मैच का आखिरी दिन और आखिरी सेशन था। मैंने विदर्भ स्टेडियम में कदम रखा और इसके बाद मेरे सभी साथी खिलाड़ी मुझे सम्मानित करने के लिए खड़े हो गए और गार्ड ऑफ ऑनर दिया। गांगुली ने ये बातें मयंक अग्रवाल को एक चैट के दौरान बताई। गांगुली ने कहा कि इसके बाद मुझे कप्तानी सौंपी गई और मैं हैरान था। मैंने कभी ऐसा नहीं सोचा था, लेकिन धौनी तो धौनी हैं। हमने वो टेस्ट मैच जीता, लेकिन मेरे दिमाग में रिटायरमेंट की बातें चल रही थी। मुझे नहीं पता कि आखिरी के तीन-चार ओवर में मैंने क्या किया।

113 टेस्ट मैचों में 7212 रन बनाने वाले गांगुली ने 2008 में नागपुर टेस्ट के बाद रिटायरमेंट ले ली थी। उन्होंने अपने आखिरी टेस्ट मैच की पहली पारी में 85 रन बनाए थे भारत ने पहली पारी में 441 का स्कोर खड़ा किया था। हालांकि जब ये मैच खत्म होने जा रहा था तब धौनी ने उन्हें लीड करने के लिए कहा था, लेकिन मैंने पहले मना कर दिया, लेकिन दूसरी बार मैं मना नहीं कर पाया। दरअसल उस मैच वाले दिन के ठीक आठ साल पहले मैं टीम इंडिया का कप्तान बना था। कप्तान बनने के बाद मैंने गेंदबाजी में बदलाव किए और फील्ड भी सेट किया जब कंगारू टीम का एक विकेट गिरना बाकी था, लेकिन मैं बताना चाहूंगा कि उस स्टेज पर मैं फोकस नहीं कर पा रहा था। तीन-चार ओवर के बाद मैंने धौनी को कप्तानी दे दी और उनसे कहा कि ये तुम्हारा काम है और फिर हम दोनों हंसने लगे।

विराट कोहली की फिटनेस का राज, तौलकर खाते हैं खाना

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली अपनी फिटनेस के लिए जाने जाते हैं और इसके लिए वो वर्कआउट के साथ-साथ अपने खान-पान का भी खास ख्याल रखते हैं। अपनी फिटनेस के लिए काफी सीरियस रहने वाले विराट कोहली को दुनिया के बेहद फिट क्रिकेटरों में गिना जाता है। कोविड 19 महामारी की वजह से विराट कोहली भी अपने घर में ही पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ हैं, लेकिन वो अपनी फिटनेस और डाइट का खास ख्याल रख रहे हैं ताकि उन्हें क्रिकेट शुरू होने के बाद किसी तरह की कोई परेशानी ना हो। विराट व अनुष्का सोशल मीडिया पर भी खूब सक्रिय हैं और अब अनुष्का शर्मा ने एक ऐसा वीडियो शेयर किया है जिसे देखकर तो यही लगता है कि विराट अपने खाने को लेकर बेहद पाबंद हैं। अनुष्का ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है कि विराट कोहली की मेहरबानी से हमारे घर में खाना भी तौलकर खाया जाता है। उन्होंने जो वीडियो शेयर किया है उसमें विराट व अनुष्का का चेहरा नजर नहीं आ रहा है। इसमें शायद अनुष्का विराट के लिए खाना तौल रही हैं। खाने का वजन जैसे ही 101 ग्राम होता है विराट कहते हैं कि मुझे 100 पसंद है और इतना ही चाहिए। आपको बता दें कि विराट और अनुष्का को लंबे अरसे के बाद इतने दिनों तक साथ रहने का मौका मिला है। कुछ दिन पहले ही अनुष्का ने कहा था कि वो विराट से शादी के बाद पहले छह महीने तक उनसे साथ सिर्फ 21 दिन ही रह पाईं थीं। वहीं विराट ने एक वीडियो शेयर करके बताया था कि श्रेयस अय्यर कैसे उनके लिए घर का बना हुआ डोसा लेकर आए थे।

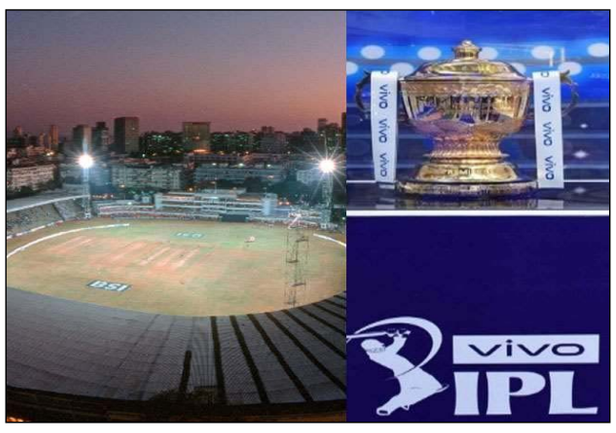

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली बोले, बिना आईपीएल खेले नहीं खत्म होना चाहिए 2020

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन को लेकर एक बड़ा ऐलान किया है। कोरोना वायरस के कारण आइपीएल 2020 को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है और अभी तक ये तय नहीं हुआ है कि इस साल कब आइपीएल का आयोजन होगा। हालांकि, बीसीसीआइ के बॉस गांगुली ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि आइपीएल भारत में ही खेला जाएगा। अभी तक खबरें आ रही थीं कि आइपीएल 2020 का आयोजन विदेश में हो सकता है। खुद सौरव गांगुली भी ये कबूल कर चुके थे कि लीग को विदेशी सरजमीं पर भी आयोजित किया जा सकता है। बीसीसीआइ को तीन बड़े देशों से आइपीएल की मेजबानी करने का ऑफर भी आया था, लेकिन बोर्ड ने अभी तक इस पर सहमति नहीं जताई है, क्योंकि बीसीसीआइ फिलहाल आइसीसी के टी20 वर्ल्ड कप के स्थगित करने या नहीं करने के फैसला का इंतजार कर रही है। उधर, सौरव गांगुली ने कहा है कि वे इस साल इंडियन प्रीमियर लीग के 13 वें संस्करण की मेजबानी करना चाहेंगे और उनकी पहली प्राथमिकता देश के भीतर ही टूर्नामेंट की मेजबानी करना है। गांगुली ने ये भी कहा है कि हम नहीं चाहते कि 2020 का साल बिना आइपीएल के समाप्त हो। गांगुली ने एक बार फिर कोविड -19 संकट के मद्देनजर किसी तरह की सामान्य स्थिति को वापस लाने के लिए इस साल आइपीएल की मेजबानी करने की बोर्ड की इच्छा को दोहराया है। सौरव गांगुली ने इंडिया टुडे के शो में कहा है, हम इसे (भारत में आइपीएल) हासिल करना चाहते हैं, जैसा कि मैंने कहा कि क्रिकेट को वापस आने की जरूरत है।÷ दादा ने कहा है, हमारे लिए यह फिलहाल ऑफ सीजन है, जिसने वास्तव में मदद की है। हमने मार्च में घरेलू सत्र समाप्त किया और फिर हमें आइपीएल रद करना पड़ा, जो हमारे घरेलू सत्र का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम चाहते हैं कि आइपीएल हो, क्योंकि जीवन को सामान्य होने की जरूरत है और क्रिकेट को फिर से सामान्य होने की जरूरत है, लेकिन हमारे पास टी 20 विश्व कप के बारे में आइसीसी का निर्णय नहीं है। गांगुली ने इन बातों का भी खंडन किया है कि आइपीएल विदेश में होगा। उन्होंने कहा है, हम मीडिया से अलग-अलग चीजें सुनते रहते हैं, लेकिन वास्तव में जब तक इसकी आधिकारिक तौर पर बोर्ड के सदस्यों और देशों को नहीं बताया जाता है, तब तक आप नहीं जानते कि क्या हो रहा है। हम आइपीएल की मेजबानी करना चाहते हैं, हमारी पहली प्राथमिकता भारत है।

117 दिन बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में डाली गई पहली गेंद,विंडीज दिग्गज को मिला यह मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस संक्रमण फैलने की वजह से इंटरनेशनल क्रिकेट पर पूरी तरह से लग गया था। पूरे 117 दिन तक मैदान पर एक भी गेंद नहीं डाली गई। लंबे अंतराल के बाद बुधवार 8 जुलाई को एक बार फिर से क्रिकेट की वापसी हुई है। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरजी का पहला मैच साउथैम्प्टन में शुरू हुआ। इस ऐतिहासिक टेस्ट मैच के लिए पूरी दुनिया के क्रिकेट प्रेमी लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। बारिश ने इस इंतजार को और बढ़ा दिया और मैदान गीला होने की वजह से टॉस समय पर नहीं कराया जा सका। बारिश की वजह से मैच में देरी होने की वजह से लंच की घोषणा वक्त के पहले कर दी गई। लंच के बाद इंग्लैंड की तरफ से पहली बार टेस्ट में कप्तानी करने उतरे बेन स्टोक्स ने टॉस जीता और बल्लेबाजी का फैसला लिया। मैदान पर उतरने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने घुटने पर बैठकर एक मिनट के लिए मौन रखा। ब्लैक लाइफ मैटर के नाम के चलाए जा रहे अभियान को बल देने के लिए यह मौन रखने का फैसला लिया गया था। वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज एवर्टन वीक्स के निधन पर ही इसी मौके पर खिलाड़ियों ने याद किया। वेस्टइंडीज की टीम के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे हैं। 117 दिन के लंबे ब्रेक के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली गेंद डाली गई। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज केमार रोच ने पहली गेंद डाली। उनको सामने इस गेंद को खेलने के लिए इंग्लिश बल्लेबाज रोरी बर्न्स थे।

राजपूत फैमिली के वकील का रिया को लेकर बड़ा खुलासा, कहा-

एक्ट्रेस ने सुशांत की बहन प्रियंका पर लगाया था छेड़छाड़ का आरोप

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में आये दिन चौंकाने वाले मामलों का खुलासा हो रहा है। दरअसल पिछले दिनों सुशांत के पिता ने उनकी गर्लफ्रेंड रही रिया चक्रवर्ती पर कई सारे गंभीर आरोप लगाये थे,जिसके बाद से इस केस में एक नया और तगड़ा मोड़ आ गया है और पटना पुलिस इस मामले में रिया की भूमिका तलाशने में जुट गई है। अब हाल ही में इस मामले पर सुशांत के परिवार के वकील विकास सिंह ने एक बड़े राज से पर्दा फाश किया है। वैसे विकास सिंह का ये खुलासा काफी बड़ा है जो इस केस में काफी हद तक मददगार साबित हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वकील विकास सिंह ने खुलासा किया है कि रिया चक्रवर्ती ने सुशांत की बहन प्रियंका सिंह पर उन्हें मोलेस्ट करने का आरोप लगाया था। इस पर वकील विकास सिंह ने कहा, रिया चक्रवर्ती और सुशांत सिंह राजपूत पहली बार 14 अप्रैल, 2019 को एक कॉमन फ्रेंड की पार्टी में मिले थे। जब वह 15 अप्रैल को अपने बांद्रा वाले घर वापस आया तो उनकी बहन प्रियंका और जीजा जी पहले से वहीं थे। दोनों पावना फार्म हाउस जाने की प्लानिंग कर रहे थे। रिया उन सभी से मिलीं और वह भी उनके साथ पावना फार्म हाउस चली गई और उस रात रुकने का फैसला किया। अगले दिन, दोपहर में, सुशांत ने रिया को मुंबई में छोड़ दिया और शाम को पावना फार्महाउस वापस आ गया। 18-19 अप्रैल की रात को

उसने कैप्री हाइट्स में सुशांत के घर आने के लिए जोर दिया और लगभग 1 बजे पहुंची और ड्रिंक करने की जिद की और बाकी सभी को इसमें शामिल होने के लिए कहा। वे सभी देर रात तक बैठे रहे, उस समय रिया ने सुशांत के कमरे में रात बिताई। उन्होंने आगे बताया 19 तारीख को प्रियंका और उनके पति को दिल्ली के लिए निकलना था, मगर सुशांत ने प्रियंका से यह कहते हुए कुछ दिन और रुकने का अनुरोध किया कि वह भी उनके साथ दिल्ली जायेंगे। इसलिए प्रियंका का फ्लाइट टिकट आखिर में रद्द कर दिया गया। जब उनके पति दिल्ली के लिए रवाना हुआ, तो 19 वीं शाम को ही सुशांत ने प्रियंका के लिए एक खूबसूरत इमोशनल लैटर लिखा, जब रिया भी वहां मौजूद थीं। अगले दिन, 20 अप्रैल, 2019 को रिया ने सुशांत और प्रियंका को अपने भाई शोविक चक्रवर्ती की जन्मदिन की पार्टी में इन्वाइट किया और यह रात में पहले से ही 10-12 बज गए थे और प्रियंका और सुशांत दोनों थक गए थे। सुशांत ने कहा कि वह सोने के लिए चले जाएंगे, तब रिया ने प्रियंका को जोर देकर कहा कि वह आ जाए और खुद प्रियंका ने पार्टी के लिए उनका मेकअप किया था। उसने प्रियंका को एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के लिए जोर दिया उसमें केवल चार सदस्य थे। जब वे पार्टी में पहुंचे तो प्रियंका ने रिया के भाई को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी लेकिन रिया ने कहा कि आज उसका जन्मदिन नहीं है। उस रात इन्होने खूब पार्टी की। प्रियंका को पता चला कि रिया ने पार्टी का खर्च की पेमेंट सुशांत के क्रेडिट कार्ड से की है। पार्टी से रिया भी सुशांत के घर वापस आ गई, प्रियंका सो गई, सुशांत और रिया बात कर रहे थी। आगे वकील विकास ने बताया अगली सुबह यानी 21 अप्रैल 2019 तक जब तक प्रियंका जागी तब तक रिया वहां नहीं थी और सुशांत बेहद गुस्से में था। रिया ने जन्मदिन की पार्टी के बाद की रात सुशांत को बताया, कि उसकी बहन प्रियंका ने उसका फायदा उठाने की कोशिश की और 18-19 अप्रैल की रात को सुशांत के घर पर उससे छेड़छाड़ की, सुशांत ने रिया की बात पर यकीन किया। प्रियंका को भी यकीन नहीं हो रहा था कि सुशांत कैसे रिया की बातों में आ गए। लेकिन वह शांति चाहती थीं और अपार्टमेंट खाली कर चली गई। इसके बाद इस पूरी घटना के बारे में प्रियंका ने अपने पति को बताया और मैसेज के जरिये सुशांत को भी सच बताने की कोशिश की गई।

वकील ने बताया कि सुशांत अपनी बहन प्रियंका के सबसे ज्यादा करीब थे लेकिन एक दिन की इस घटना ने दोनों के रिश्ते को बदल दिया। इस घटना के बाद दोनों भाई बहन ने नवम्बर 2019 तक कोई बात नहीं की। फिर सुशांत ने बहन प्रियंका को फोन कर उनसे माफी मांगी और उन्हें अपने घर आने को कहा। विकास कहते हैं यह तब था जब सुशांत ने रिया से पूछा कि उसने उनकी बहन पर आरोप क्यों लगाया और उसने प्रियंका को अपने भाई के जन्मदिन की पार्टी में ले जाने पर जोर क्यों दिया, अगर प्रियंका ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और उसने 2 दिन बाद यानी 18 वीं रात से 21 वीं रात तक उस घटना के बारे में खुलासा नहीं किया? फिर, सुशांत को अपनी गलती का एहसास हुआ और सॉरी बोलने के बाद उन्होंने प्रियंका के साथ मामला सुलझा लिया। उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ कि कुछ दिनों के अंतराल में रिया ने दो भाई-बहनों को अलग करने के लिए गेम खेला था' ये खुलासा सुशांत के परिवार के वकील विकास सिंह ने किया है। मालूम हो कि दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह ने 14 जून को मुंबई के स्थित फ्लैट में फांसी लगाकर खुदखुशी कर ली है,जिसके बाद से इस मामले की जांच पुलिस कर रही है और आये दिन इस केस में नए-नए खुलासे होते दिख रहे हैं।

राम मंदिर भूमि पूजन पर लता मंगेशकर से लेकर अनुपम खेर सहित इन सेलेब्स ने दी शुभकामनाएं

5 अगस्त बुधवार यानी आज अयोध्या में राम मंदिर बनाने के लिए भूमि पूजन किया गया। सालों से इस पल का देशवासी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे जो आज जाकर पूरा हुआ। इसे लेकर पूरे देश में बहुत उत्साहित नजर आए। इतना ही नहीं ऐसा ही उत्साह फिल्म इंडस्ट्री के सितारों में भी दिखाई दिया। हालांकि कोरोना के चलते वहां पर किसी को भी जाने की अनुमति नहीं थी इसलिए सेलेब्स ने राम मंदिर के भूमि पूजन की बधाई सोशल मीडिया के जरिए दी। इस लिस्ट में दिग्गज गायिका लता मंगेशकर, अभिनेता अनुपम खेर सहित कई सितारों ने अपनी शुभकामनाएं दीं। राम मंदिर के भूमि पूजन के अवसर पर लता मंगेशकर ने ट्विटर पर ट्वीट करते हुए लिखा, नमस्कार। कई राजाओं का, कई पीढ़ियों का और समस्त विश्व के राम भक्तों का सदियों से अधूरा सपना आज साकार होता दिख रहा है। कई सालों के वनवास के बाद आज अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर का पुनर्निर्माण हो रहा है। शिलन्यास हो रहा है। इसका बहुत बड़ा श्रेय माननीय लालकृष्ण अडवाणी जी को जाता है, क्योंकि उन्होंने इस मुद्दे को लेकर रथ यात्रा करके पूरे भारत में जनजागृति की थी और श्रेय माननीय बालासाहेब ठाकरे जी को भी जाता है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी शुक्रिया लता मंगेशकर ने किया। इस अवसर पर दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने ट्वीट करते हुए कहा, बधाई। जय श्री राम। मुंबई में हमारे घर का नाम रामायण है। इसलिए हमारा परिवार सही मायनों में रामायण वासी है। अभी एक खूबसूरत और जानकारीपरक फॉरवर्ड मिला। इसे शेयर करने के लिए आज का दिन उचित है। उम्मीद करता हूं कि यह सही होगा। मशहूर अभिनेता अरुण गोविल ने रामायण में भगवान राम का किरदार निभाया था। उन्होंने ट्वीट में लिखा, इतिहास में आज का दिन स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। श्रीराम मंदिर के शिलान्यास से पूरी दुनिया के रामभक्तों का सपना साकार हो रहा है।आप सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। जय श्रीराम। इतिहास में आज का दिन स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। श्रीराम मंदिर के शिलान्यास से पूरी दुनिया के रामभक्तों का सपना साकार हो रहा है।आप सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाऐं। जय श्रीराम, एक्टर अनुपम खेर ने ट्वीट में लिखा, आपको और आपके परिवार को राम जन्मभूमि पूजन की हार्दिक शुभकामनाएं। जय श्री राम। सांसद और भोजपुरी अभिनेता रवि किशन ने ट्वीट करते हुए कहा, मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण की शुभ तिथि 5 अगस्त 2020 दिन बुधवार आज आ ही गई। आज अपने गोरखपुर स्थित आवास पर श्री राम स्तुति के कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत विधि विधान से करते हुए आज ऐतिहासिक क्षण है आज, अलौकिक अवसर है। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण की शुभ तिथि 5 अगस्त 2020 दिन बुधवार आज आ ही गई। इस शुभ अवसर पर मशहूर सिंगर कैलाश खेर ने भगवान राम का एक नया सॉन्ग लॉन्च किया है और वीडियो उसका ट्वीट करते हुए लिखा, बस थोड़ी ही देर में प्रमोचन होगा हमारे यू ट्यूब चौनल पर रुरामहीपारलगावेंगे, कोटि कोटि प्रार्थनाओं का वरदान, राम अवतरण। घड़ी उत्सव की।

सुशांत सिंह राजपूत की दिल बेचारा के ट्रेलर ने एवेंजर्स एंडगेम को यूट्यूब पर पीछे छोड़ा

बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा का ट्रेलर 6 जुलाई को रिलीज कर दिया गया है। सुशांत की मौत के बाद उनकी इस आखिरी फिल्म का बेसब्री से इंतजार उनके फैंस कर रहे हैं। फिल्म दिल बेचारा के ट्रेलर ने यूट्यूब पर आते से नए रिकॉर्ड बना दिए हैं। दुनिया की सबसे बड़ी फिल्म एवेंजसर्स एंडगेमश् और इन्फिनिटी वॉर को यूट्यूब पर लाइक्स के मामले में दिल बेचारा के ट्रेलर ने पछाड़ दिया है। अब तक दिल बेचारा के ट्रेलर को 5.2 मिलियन लाइक मिले हैं जबकि एवेंजर्स एंडगेम के ट्रेलर को सिर्फ 2.9 मिलियन लाइक मिले थे। मार्बल स्टूडियो की फिल्म एवेंजर्स एंडगेम और इन्फिनिटी वॉर साल 2018 और 2019 में रिलीज हुई थीं और फिल्म श्दिल बेचारा ने दोनों फिल्मों को लाइक्स के मामले में पीछे छोड़ दिया है।

दरअसल मार्बल स्टूडियो की फिल्में व्यूज के मामले में अभी भी आगे हैं। सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा 24 जुलाई को रिलीज होगी और इसमें उनके साथ संजना सांघी हैं जो बॉलीवुड में इस फिल्म से कदम रख रही हैं। ओटीटी प्लेटफार्म हॉटस्टार डिज्नी पर सुशांत और संजना की इस फिल्मको रिलीज किया जा रहा है। जॉन ग्रीन के उपन्यास द फॉल्ट इन ऑर स्टार्स पर यह फिल्म बनी है। सुशांत सिंह राजपूत ने मुंबई में अपने घर पर 14 जून को आत्महत्या कर ली थी। सुशांत दिल्ली इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ते थे। हालांकि उन्होंने साल 2002 में कॉलेज छोड़कर मनोरंजन में अपना करियर बनाने का फैसला किया था। सुशांत ने शुरुआत में बैकग्राउंड डांसर के तौर पर काम किया था। सुशांत को टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता से लोकप्रियता मिली थी। यह सीरियल साल 2009 में आया था। सुशांत को इस सीरियल के बाद फिल्म 'काय पो चे! साल 2013 में मिली थी जिससे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 'शुद्ध देसी रोमांस, 'एम एस धोनी द अनटोल्ड स्टोरी, 'राबता, 'केदारनाथ और 'सोनचिड़िया जैसी फिल्मों में सुशांत ने काम किया था। सुशांत की आखिरी फिल्म ड्राइव थी जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज की गयी थी।

पायल रोहतगी का ट्विटर अकाउंट सस्पेंड, फैन्स से मांगी मदद तो होने लगा ट्रेंड

ऐक्ट्रेस और बिग बॉस में नजर आ चुकीं पायल रोहतगी का ट्विटर अकाउंट, साइट के नियमों का उल्लंघन करने की वजह से बुधवार को सस्पेंड कर दिया गया है। पायल ने इसके खिलाफ एक वीडियो इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट किया है, जिसमें वह कह रही हैं कि उन्हें बिना वजह बताए उनके अकाउंट को सस्पेंड कर दिया गया है। इसी के साथ ट्विटर पर भी ट्रेंड होने लगा है। पायल हमेशा ही सोशल मीडिया वपर ऐक्टिव रहती हैं और अपने पोस्ट के लिए अक्सर वह आलोचनाओं का शिकार भी होती हैं। अब इंस्टाग्राम पर उन्होंने ट्विटर के उस मेसेज का स्क्रीनशॉट पोस्ट किया गया है जिसमें अकाउंट सस्पेंड की बात लिखी गई है। इसके अलावा उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया है, जिसमें वह कहती नजर आ रही हैं कि उन्हें नहीं समझ आ रहा कि उनका अकाउंट क्यों सस्पेंड किया गया है। इस वीडियो में वह कहती नजर आ रही हैं, अभी अभी मुझे पता चला है कि मेरा ट्विटर अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया है, कोई वजह नहीं बताई गई है, न ही कोई ईमेल मुझे भेजा गया है। मुझे नहीं पता कि इसके पीछे वजह क्या है, मेरा अकाउंट उन्होंने क्यों डिलीट किया। मैं यकीनन फैक्ट्स को शेयर करने का प्रयास करती हूं, लेकिन लिबरल्स और ट्विटर को कंट्रोल करने वाले कुछ अतिवादियों द्वारा मेरे इस प्रयास को गलत तरीके से प्रॉजेक्ट करने की कोशिश की जा रही है।

संजय लीला भंसाली से मुंबई पुलिस ने किए इतने सवाल

जानिए क्यों छोड़ी थीं सुशांत ने फिल्में

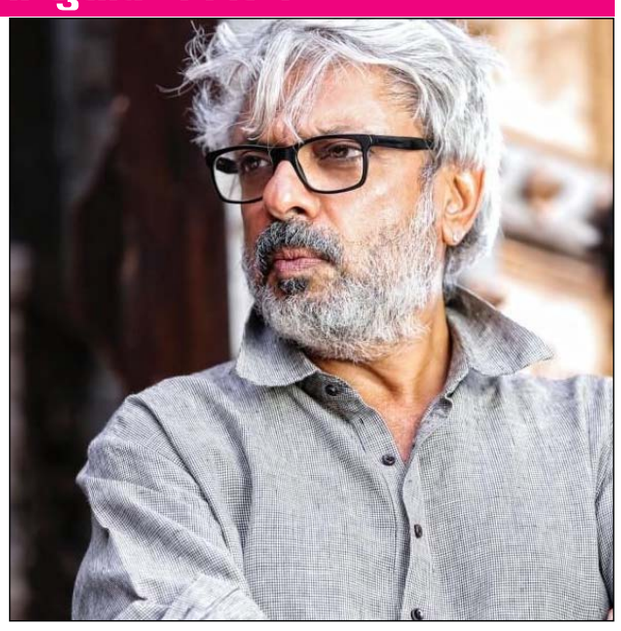

फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर फिल्म मेकर संजय लीला भंसाली सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या मामले में पुलिस स्टेशन में अपना बयान दर्ज करवाने बीते सोमवार पहुंचे थे। दरअसल मुंबई पुलिस लगातार सुशांत से जुड़े लोगों से पूछ्ताछ कर रही है ताकि उन्हें यह पता चल सके की सुशांत ने खुदखुशी जैसा बड़ा कदम कैसे उठा लिया। मीडिया में ऐसी खबरें भी सामने आ रही हैं कि एक फिल्म आलोचक के खुलासे पर पुलिस ने संजय लीला भंसाली से इस मामले में पूछ्ताछ की है। लेकिन मुंबई पुलिस ने इस जानकारी पर साफतौर पर इंकार किया है। हालांकि पुलिस को संजय लीला भंसाली ने यह बताया कि किसी भी अपनी फिल्म से सुशांत को उन्होंने नहीं निकाला था और वहीं वह सुशांत से पिछले चार साल से नहीं मिले। पिछले काफी दिनों से सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें वायरल हो रहीं थी जिसमें दावा किया जा रहा था कि श्गोलियों की रासलीला राम-लीलाश् और श्बाजीराव मस्तानीश् फिल्मों से सुशांत सिंह राजपूत को संजय लीला भंसाली ने बाहर कर दिया था। बता दें कि बिहार के रहने वाले एक फिल्म आलोचक ने इस खबर को फैलाया था। उसके बाद तो जैसे सुशांत के फैंस के निशाने पर संजय लीला भंसाली आ गए थे। इतना ही नहीं इस मामले में एक एजेंसी की खबर में बताया गया कि इस आलोचक के खुलासे के बाद ही भंसाली से ये जांच हुई है। लेकिन इन बातों को मुंबई पुलिस ने गलत बता दिया है। दरअसल रूटीन जांच में भंसाली का नाम आया जिसके बाद मुंबई पुलिस ने उन्हें पूछ्ताछ के लिए बुलाया। पुलिस ने जैसे दूसरे लोगों से इस मामले में लंबी पूछ्ताछ की वैसे संजय लीला भंसाली से नहीं की। सुशांत आत्महत्या मामले में पुलिस को संजय ने कहा कि अपनी फिल्में ऑफर सुशांत को जब उन्होंने कीं उस समय वह फिल्म पानी में व्यस्त थे। खबरों के अनुसार पुलिस को संजय ने बताया कि उन्हें इस फिल्म के लिए ऐसे कलाकार की तलाश थी जो काम पर पूरा ध्यान दे सके। यशराज फिल्म की फिल्म पानी में उस समय सुशांत व्यस्त थे। इसलिए इन फिल्मों में खुद उन्होंने काम करने से मना कर दिया था। उसके बाद उनसे दोबारा भंसाली ने भी नहीं पूछा। संजय लीला भंसाली पुलिस के सामने अपने स्टाफ के साथ बयान दर्ज करवाने पहुंचे। इस दौरान पुलिस को संजय ने यह भी कहा कि सुशांत से उनकी साल 2016 के बाद कोई बातचीत नहीं की। इसलिए सुशांत की बीमारी या परेशानियों के बारे में उन्हें कुछ नहीं पता। मुंबई के बांद्रा स्थित अपने घर में सुशांत सिंह राजपूत ने 14 जून को फांसी लगाकर खुदखुशी की थी। सुशांत की मौत के बाद इस मामले की छानबीन में पुलिस लगी हुई है। सुशांत आत्महत्या मामले पर अब तक बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी और शेखर सुमन बेहद बेबाकी से अपनी राय रख रहे हैं। हालांकि एक फिल्म आलोचक का नाम भी अब इस मामले में जुड़ गया है। सुशांत से जुड़े लगभग 30 लोगों के बयान इस मामले में मुंबई पुलिस ने दर्ज किये हैं। इसी सूची में सुशांत की प्रेमिका रिया चक्रवर्ती, यशराज फिल्म्स की कास्टिंग निर्देशक शानू शर्मा समेत और भी कई लोग शामिल हैं।

करीना से लेकर अनुष्का शर्मा तक इन एक्ट्रेस की कॉपी करती नजर आईं सामंथा अक्किनेनी

साउथ इंडस्ट्री की सुपरस्टार सामंथा अक्किनेनी ने कई बार अपने लुक्स से साबित किया है की वह फैशन की असली क्वीन हैं। हालांकि उनका फैशन में टेस्ट बॉलीवुड की कुछ अभिनेत्रियों के जैसा है। उनके जैसे ऑउटफिट में उन्हें स्पॉट किया गया है। खैर दो अभिनेत्रियों के लिए इस तरह के ऑउटफिट्स को पसंद करना बिलकुल सही है। हमेशा ही एक्ट्रेस सामंथा अक्किनेनी ने अपने सिग्नेचर स्टाइल के साथ इसे कैरी किया है। यहां एक बार देखिए जब सामंथा अक्किनेनी ने बॉलीवुड डीवाज करीना कपूर खान, अनुष्का शर्मा और सोनम कपूर जैसे अपने आउटफिट्स को स्टाइल किया। 1. सामंथा अक्किनेनी और सोनम कपूर टॉलीवुड अभिनेत्री सैम और बॉलीवुड की फैशनिस्टा सोनम को डिजाइनर अनामिका खन्ना द्वारा अलग-अलग अवसरों पर एक

समान लिपटी स्कर्ट और एक ऑर्गेना केप पहने स्पॉट किया गया था। दोनों एक्ट्रेसेस ने अपने लुक के साथ हैवी ज्वैलरी केरी की थी। 2. सामंथा अक्किनेनी और सोनम कपूर पिछले साल रिलीज हुई उनकी फिल्म मजिली के प्रचार के दौरान सामंथा पायल प्रताप के ऑउटफिट पहने नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने पेस्टल पिंक, फ्लोरल प्रिंट क्रॉप टॉप पहना था जो बटन-डाउन डिटेल और लॉन्ग जैकेट के साथ मैचिंग स्कर्ट के साथ था। दूसरी तरफ वीरे दी वेडिंग के प्रमोशन के दौरान सोनम कपूर आहूजा ने वही लुक पहना था। 3. सामंथा अक्किनेनी और सोनम कपूर साउथ एक्ट्रेस सामंथा अक्किनेनी को एयरपोर्ट पर एक चेरी प्रिंट को-ऑर्ड्स में स्पॉट किया गया। जबकि द जोया फैक्टर के प्रचार के दौरान, सोनम कपूर ने गुच्ची द्वारा एक नेवी ब्लू प्रिंटेड ऑउटफिट पहना था। 4. सामंथा अक्किनेनी और करीना कपूर खान सामंथा अक्किनेनी और बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। कई बार दोनों ने एक जैसे फैशन से सबको चौंकाया हुआ है। करीना की व्यक्तिगत ऑर्गेनाजा साड़ी से प्रेरणा सैम को मिली। 5. सामंथा अक्किनेनी और अनुष्का शर्मा सामन्था अक्किनेनी और अनुष्का शर्मा के पास 1 लाख रुपये के एलवी बैग हैं। एयरपोर्ट पर कैजुअल लुक के साथ दोनों एक्ट्रेसस ने इस केरी किया जिसमें वह स्टनिंग लगीं।

टूटे वरुण खन्ना, सुशांत के दोस्त और रिया चक्रवर्ती के बारे में कह दी ये बात..

तरुण खन्ना पिछले 15 वर्षों से इंडस्ट्री का हिस्सा है और उन्होंने कसौटी जिन्दगी की, देवों के देव महादेव और राधाकृष्ण जैसे प्रमुख शो का हिस्सा रह चुके हैं. अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है कि वह इस मामले पर क्या महसूस करते हैं औरसुशांत के लिए न्याय की मांग की. अपने 9 मिनट के लंबे वीडियो में तरुण कहते हैं, मैं टीवी इंडस्ट्री में एक अभिनेता हूं और लंबे समय से काम कर रहा हूं. अपने पूरे जीवन में मैंने अपने काम, दोस्तों और परिवार के अलावा कुछ भी नहीं बोला. लेकिन इस बार मैं सुशांत सिंह राजपूत के बारे में बात करना चाहता हूं क्योंकि यह मेरे मन को अंदर ही अंदर मार रहा है कि मैं शांत क्यों हूं? उन्होंने आगे कहा, एक कहानी पेश की जा रही है कि उन्होंने अपना जीवन समाप्त कर लिया क्योंकि वह डिप्रेशन में थे लेकिन मैं इसके लिए सहमत नहीं हूं. उन्होंने एक लोकप्रिय शो किया है टीवी और कई बड़ी बॉलीवुड फिल्में. उनकी आखिरी फिल्म मुकेश छाबड़ा द्वारा निर्देशित की गई थी जिन्होंने हुमा कुरैशी, अमित साध, राजकुमार राव, नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे अभिनेताओं को ब्रेक दिया था और निश्चित रूप से उनके पास कोई फाइनेंशियल प्रॉब्लम भी नहीं थे, क्योंकि वे करोड़ों में दान दे रहे थे. तरुण खन्ना ने आगे कहा, मैं इस तथ्य को नहीं मान सकता कि वह काम के कारण उदास था. एक टीवी अभिनेता होने के नाते मैं आपको बता सकता हूं कि हमें कैसे काम करने के लिए बनाए जाते हैं और शायद ही भुगतान किया जाता है. 5-6 फिल्में हारने के बाद डिप्रेशन में. वह हम जैसे अभिनेताओं के लिए उम्मीद की एक किरण की तरह थे. हमारे लिए वह हमारे हीरो थे इसलिए हम यह जानने का अधिकार रखें कि उनकी मृत्यु का वास्तविक कारण क्या था?. वह आगे कहते हैं, मैं उन्हें अच्छी तरह से नहीं जानता था. हम सिर्फ जिम में मिलते थे. लेकिन जो लोग उनके दोस्त संदीप सिंह की तरह उनके करीब थे, मैंने उनका एक प्रमुख चौनल पर साक्षात्कार देखा. किसने बोला आपको कि किसने सुशांत को मारा है, कहकर अपने साक्षात्कार की शुरुआत की? और सभी को क्लीन चिट दे दी. साथ ही उनकी गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती जो अपने आखिरी दिनों में उनके साथ होने का दावा कर रही थी. वे आगे क्यों नहीं आते और बोलते हैं?

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए प्रकाशन, मुद्रक व संपादक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
TITLE CODE- UPHIN48974
Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com
नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।